

सीएम सनेत भाजपा कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने सुनी पीएम के ‘मन की बात’

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित निरंजन धर्मशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात को सुना। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, ‘मन की बात’ केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का देश के 140 करोड़ नागरिकों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे नवाचारों, प्रेरक प्रयासों और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले लोगों की उपलब्धियों को पूरे देश के सामने रखते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, देशवासियों को प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम की प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इसमें ऐसे अनेक विषयों और व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हैं, जिनके बारे में सामान्यतः देश के लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती। इससे जहां अच्छे कार्य करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ता है, वहीं उनके प्रयास लाखों देशवासियों के लिए प्रेरणा बनते हैं।

सीएम साय बोले- पीएम मोदी मन की बात के माध्यम से नवाचारों और प्रेरक प्रयासों को देते हैं राष्ट्रीय पहचान



उन्होंने कहा, हमारे देश के दूरस्थ गांवों और छोटे-छोटे क्षेत्रों में अनेक लोग बिना किसी प्रचार और स्वार्थ के समाज तथा राष्ट्रहित में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहा है, कोई स्वच्छता के लिए कार्य कर रहा है तो कोई स्थानीय संसाधनों के माध्यम से नवाचार कर अपने क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी मन की बात के माध्यम से ऐसे सामान्य लोगों के असाधारण कार्यों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। इससे देश में सकारात्मकता और जनभागीदारी की भावना मजबूत होती है तथा दूसरे लोगों को भी कुछ नया और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

छत्तीसगढ़ की महिमा राजपूत पर गर्व

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, आज भारत की बेटियां अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास से हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही हैं। उनकी आकांक्षाओं की उड़ान अब धरती से अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ‘मन की बात’ में मिशन शक्ति सैट जैसे प्रेरक प्रयास का उल्लेख किया, जिसके माध्यम से भारत सहित विभिन्न देशों की हजारों छात्राओं को सैटेलाइट टेक्नोलॉजी को समझने, सीखने और नवाचार से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए विशेष गौरव

का विषय है कि प्रदेश की महिमा राजपूत भी इस महत्वपूर्ण मुहिम का हिस्सा बनी हैं। उन्होंने महिमा राजपूत को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उनकी उपलब्धियां प्रदेश की दूसरी बेटियों को भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करती हैं।

छत्तीसगढ़ का उल्लेख प्रदेश के लिए गौरव

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, ‘मन की बात’ की विभिन्न कड़ियों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छत्तीसगढ़ और यहां के उल्लेखनीय प्रयासों का उल्लेख किया है। बस्तर ऑलंपिक से लेकर मल्हार में मिले प्राचीन ताम्रपत्रों और काले हिरण के संरक्षण तक, छत्तीसगढ़ की विशिष्टताओं और उपलब्धियों को प्रधानमंत्री ने देशवासियों के सामने रखा है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू एवं पुरंदर मिश्रा, संतजन, विभिन्न निगम-मंडलों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

ख़बर संक्षेप

बिजली बिल पर अब प्रतिदिन के हिसाब से लग रहा सरचार्ज
रायपुर। प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को अब बिजली बिल का विलंब से भुगतान करने पर पूरे माह के स्थान पर प्रतिदिन के हिसाब से सरचार्ज लग रहा है। पहले एक दिन का विलंब होने पर भी पूरे माह का सरचार्ज देना पड़ता था, लेकिन अब इस नियम को बदल दिया गया है। इसी के साथ अब एडवांस में बिल जमा करने वालों को थोड़ा-सा झटका लगेगा। पहले इसमें 1.25 प्रतिशत की छूट मिलती थी, इसको अब 0.75 प्रतिशत कर दिया गया है।

आमतौर पर कोई उपभोक्ता एडवांस में पैसे जमा नहीं करता। पुराने नियमों के मुताबिक यह कोई उपभोक्ता बिल भुगतान की अंतिम तिथि के बाद महज एक या दो दिन देर से भी बिजली बिल का भुगतान करता था तो उससे पूरे महीने का 1.5 प्रतिशत सरचार्ज वसूल लिया जाता था। ऐसे में अगर किसी उपभोक्ता का बिल चार हजार रहता था तो उससे पूरे माह का 60 रुपए लिया जाता था। अब नए नियम के बाद अब विलंब शुल्क की गणना अब प्रतिदिन के हिसाब से की जा रही है। उपभोक्ता का जितने का बिल होगा, उस बिल के हिसाब से अब विलंब अधिभार 0.04 प्रतिशत प्रतिदिन की दर से लिया जा रहा है। इसका मतलब है कि उपभोक्ता जितने दिन बिल जमा करने में देरी करेगा, उसे केवल उतने ही दिनों का शुल्क देना होगा। यदि चार हजार का बिल है तो एक दिन के 1.60 रुपए ही देने पड़ेंगे। इस हिसाब से जितने दिन विलंब होगा, उतने दिनों का पैसा लगेगा। पहले एक साथ एक माह का शुल्क लिया जाता था। अब एक माह का विलंब होने पर 1.2 प्रतिशत के हिसाब से चार हजार पर 48 रुपए ही लगेगें। नए नियम से उनको ज्यादा फायदा होगा जिसका बिल ज्यादा आते हैं। किसी उपभोक्ता का अगर पचास हजार बिल है तो उनको पहले एक दिन का विलंब होने पर 750 रुपए लग जाते थे, लेकिन अब एक दिन के महज 20 रुपए लगेगें। इसी तरह से जिनका बिल लाखों में रहता है, उनको बड़ी राहत मिलेगी।

अंतिम क्षण तक लड़ने का साहस देता है खेल रायपुर। खेल केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम नहीं है, बल्कि यह विपरीत परिस्थितियों में अंतिम क्षण तक संघर्ष कर जीत हासिल करने की अदम्य क्षमता का निर्माण करता है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खेलों से खेल भावना, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, साहस, धैर्य, उत्साह, सकारात्मकता और आपसी समन्वय जैसे गुणों का विकास होता है, जो व्यक्तित्व के संतुलित एवं बहुआयामी विकास में सहायक सिद्ध होते हैं और तनावमुक्त जीवन का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

अब सुविधाओं के बढहाल होने का बढा ख़तरा माता कौशलया धाम में तीन साल से बंद पड़ा पर्यटन विभाग का कॉटेज, संचालन के लिए नहीं मिली एजेंसी 15.45 करोड़ की विकास परियोजना में 8.75 करोड़ से बने थे कॉटेज, डॉरमेट्री और कैफेटेरिया

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

चंद्रखुरी स्थित माता कौशलया धाम में पर्यटकों की सुविधा के लिए तैयार किया गया पर्यटन विभाग का कॉटेज 3 साल से अधिक समय बाद भी शुरू नहीं हो सका है। करोड़ों रुपए खर्च कर तैयार की गई यह सुविधा अब उपयोग में आने से पहले ही बढहाल होने लगी है। स्थिति यह है कि कॉटेज की दीवारों में दरारें नजर आने लगी हैं, वहीं लंबे समय से बंद पड़े कमरों और अन्य सुविधाओं के खराब होने की आशंका भी बनी हुई है। माता कौशलया धाम के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए कुल 15 करोड़ 45 लाख रुपए का बजट निर्धारित किया गया था। इसमें पर्यटकों के ठहरने के लिए कॉटेज, डॉरमेट्री और अन्य सुविधाओं के निर्माण के लिए 8 करोड़ 75 लाख रुपए स्वीकृत किए गए थे। वर्ष 2022 में कॉटेज का निर्माण कार्य पूरा हो गया था, लेकिन इसके बाद इसका संचालन शुरू नहीं हो पाया।

पर्यटकों को ध्यान में रखते हुए कॉटेज में आधुनिक सुविधाओं के साथ तीन कमरे और डॉरमेट्री तैयार की गई है। इसके अलावा रामायण की थीम पर कैफेटेरिया भी बनाया गया है। निर्माण पूरा होने के बाद उम्मीद थी कि यहां आने वाले पर्यटकों को ठहरने और खानपान की सुविधा मिल सकेगी, लेकिन संचालन शुरू नहीं होने से पूरी व्यवस्था बंद पड़ी है। कॉटेज के संचालन के लिए पर्यटन विभाग ने वर्ष 2023 में तीन बार टेंडर जारी किया था, लेकिन किसी एजेंसी ने इसमें रूचि नहीं दिखाई। इसके बाद विभाग की ओर से दोबारा टेंडर नहीं निकाला गया। नतीजतन तैयार सुविधाएं अब तक पर्यटकों के उपयोग में नहीं आ सकी हैं।

तीन साल से अधिक समय तक कॉटेज का संचालन नहीं



होने के कारण यहां तैयार सुविधाओं के रखरखाव को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लगातार बंद रहने से कमरों, डॉरमेट्री और अन्य व्यवस्थाओं में लगी सुविधाओं के खराब होने की आशंका है। वहीं भवन में दरारें आने से निर्माण की स्थिति को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। लंबे समय से अटक के कॉटेज के संचालन को शुरू करने के लिए पर्यटन विभाग अब एक बार फिर योजना बनाने की तैयारी में है। विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती संचालन के लिए एजेंसी तय करने और तैयार सुविधाओं का समय रहते उपयोग शुरू कराने की है।

10 साल से बंद मोटल के जीर्णोद्धार की राह खुली, एजेंसी डेवलपमेंट चार्ज देने को तैयार

केंद्री गांव स्थित पर्यटन विभाग के करीब 10 साल से बंद पड़े मोटल के दोबारा संचालन की राह अब आसान होती नजर आ रही है। पर्यटन विभाग ने मोटल को एक निजी एजेंसी को 50 लाख रुपए में लीज पर दिया है, लेकिन इसके जीर्णोद्धार में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण का डेवलपमेंट चार्ज सबसे बड़ा रोड़ा बना हुआ था। अब एजेंसी की ओर से डेवलपमेंट राशि देने की बात कही जा रही है। इससे लंबे समय से अटक मोटल को विकसित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद है। मोटल के डेवलपमेंट चार्ज को लेकर पर्यटन विभाग ने एनआरडीए से पत्राचार कर शुल्क कम करने का आग्रह भी किया था। हालांकि जानकारी के मुताबिक एनआरडीए ने शुल्क माफ करने या कम करने से साफ इंकार कर दिया था। अब एजेंसी द्वारा शुल्क देने पर सहमति बनने की स्थिति में मोटल के जीर्णोद्धार की बाधा दूर हो सकती है।

प्लानिंग चल रही

प्रदेश में पर्यटन विभाग के जिन कॉटेज का संचालन अब तक शुरू नहीं हो पाया है, उनके बेहतर उपयोग के लिए विभाग की ओर से प्लानिंग की जा रही है।

- सोमिल रंजन चौबे, संचालक, पर्यटन विभाग

अब तमिलनाडु की तर्ज पर टेट से स्थायी मुक्ति की मांग! वार्षिक कैलेंडर को लेकर अड़े

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सेवाकालीन शिक्षकों को टीईटी अर्हता प्राप्त करने के लिए समय-सीमा 31 अगस्त 2028 तक बढ़ाए जाने के पश्चात राज्य में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के आयोजन को लेकर शिक्षकों में गतिविधियां तेज हो गई हैं। तमिलनाडु विधानसभा ने 25 अगस्त 2026 को 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी - टेट) से स्थायी छूट देने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया है। अब छग के शिक्षक भी इस तरह का प्रावधान प्रदेश में लाने की मांग कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने कहा है कि शिक्षक की सेवा प्राप्त करने के लिए टीईटी परीक्षा नहीं दिला रहे हैं। शिक्षक पहले से सेवारत हैं, उन्हें अत्यधिक दक्ष, योग्य बनाए जाने की दृष्टि से शिक्षक पात्रता परीक्षा योजना में शामिल होना है। 17 अगस्त 2012 तक छत्तीसगढ़ में टेट की आवश्यकता ही नहीं थी, अतः इस विषय पर छत्तीसगढ़ की सरकार विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेज सकती है। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा

प्रचलित है। ऐसी स्थिति में एनसीटीई से पत्राचार करते हुए छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग आ अपने कर्मचारियों की टेट परीक्षा लिया जा सकता है। अनुभव व सेवारत शिक्षकों को दक्ष किया जा सकता है और न्यायिक और वैधानिक निर्देशों की प्रतीपूर्ति की जा सकती है। इस संबंध में एक विस्तृत सुझाव पूर्व में ही शिक्षा विभाग को दिया जा चुका है। इसके अतिरिक्त विभागीय स्तर पर टेट का आयोजन किए जाने पर शिक्षक संघ वार्षिक कैलेंडर की मांग कर रहा है। शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को पढ़ाने और उनकी परीक्षाएं लेने के साथ-साथ उन्हें स्वयं भी अध्ययन कार्य करना है। और परीक्षा की तैयारी करनी है। ऐसे में शासन को वार्षिक कैलेंडर जारी करना चाहिए, ताकि उन्हें पर्याप्त वक्त मिल सके। छग शिक्षक संघर्ष मोर्चा के वीरेंद्र दुबे और कैदार जैन ने मांग करते हुए कहा कि परीक्षा का पाठ्यक्रम व्यवहारिक एवं सेवा-अनुभव आधारित हो।

■ पाठ्यक्रम व्यवहारिक रखने व न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 33% रखने की मांग
--

ब्रेन का इलाज करने वाली डीएसए मशीन नौ महीने से डेड, मरीज कैथलैब के भरोसे

रायपुर। दिमाग से जुड़ी बीमारियों का इलाज करने वाली रेडियो डायग्नोसिस विभाग की डिजिटल सक्सटेशन एंजियोग्राफी (डीएसए) मशीन पिछले नौ महीने से बंद पड़ी है। इस वजह से हर माह आने वाले औसतन सौ मरीजों को इलाज के लिए कैथलैब शिफ्ट करना पड़ रहा है। दबाव ज्यादा होने पर वे निजी हॉस्पिटल जा रहे हैं। अस्पताल में मरीजों की जांच की सुविधा बढ़ाने पिछले बजट में एमआरआई और

सिटी स्कैन मशीन खरीदने 35 करोड़ का प्रस्ताव किया गया था, जो अब तक अस्पताल नहीं पहुंच पाई हैं। करीब 15 साल पहले इस डीएसए मशीन को खरीदी आंबेडकर अस्पताल में सिर में खून का थक्का जमने सहित विभिन्न तरह की जटिल बीमारियों के इलाज की आवश्यकता को ध्यान में रखकर करीब 4 करोड़ के खर्च से किया गया था। इससे सैकड़ों मरीजों को इलाज की सुविधा भी मिल रही थी।

हाईकोर्ट ने कहा तय उम्र सीमा से अधिक होने पर नहीं रह सकते पद पर

हरिभूमि न्यूज, बिलासपुर

हाईकोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु के सिंगलबेंच ने कोरिया-बैकुंठपुर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रधान को पद पर बने रहने की मांग खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की नियुक्ति अवधि और अधिकतम आयु सीमा कानून में निर्धारित है। कोर्ट ने कहा कि महज आयोग के कामकाज में निरंतरता बनाए रखने के नाम पर 65 वर्ष की निर्धारित अधिकतम आयु के बाद किसी व्यक्ति को पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

याचिकाकर्ता राजेन्द्र प्रधान को 10 फरवरी 2022 को कोरिया-बैकुंठपुर जिला उपभोक्ता आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। नियुक्ति के चार वर्ष या 65 वर्ष की

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अध्यक्ष पद का मामला



आयु जो भी पहले हो तक के लिए थी। उन्होंने 10 मार्च 2026 को 65 वर्ष की आयु पूरी कर ली। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि नए अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू या पूरी नहीं हुई है। इससे

आयोग के कामकाज में प्रशासनिक शून्यता की स्थिति बन सकती है। सुप्रीम कोर्ट के गणेश कुमार राजेश्वर राव सेलुकर बनाम महेन्द्र भास्कर लिमये मामले में दिए फैसले का हवाला देते हुए नई नियुक्ति होने तक उच्च पद पर बने रहने की अनुमति देने की मांग की थी। राज्य सरकार ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण नियम, 2020 के नियम 10 में स्पष्ट है कि अध्यक्ष या सदस्य चार वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक ही पद पर रह सकता है। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता 10 मार्च 2026 को 65 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं। नियमों में निर्धारित अधिकतम आयु के बाद पद पर बने रहना स्पष्ट वैधानिक प्रावधान के विपरीत होगा। कोर्ट ने कहा कि किसी संस्था के कामकाज में निरंतरता बनाए रखने के लिए वैधानिक रूप से निर्धारित कार्यकाल और अधिकतम आयु सीमा को नजरअंदाज नहीं कर सकते।

52.25 लाख आवेदनों में से 46.62 लाख का निराकरण

सेवा सेतु से बदली सरकारी सेवाओं की तस्वीर दफतरों के चक्कर काटने से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सरकारी सेवाओं और जरूरी प्रमाणपत्रों के लिए अब लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत कम हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से अप्रैल में शुरू किए गए सेवा सेतु ऑनलाइन पोर्टल को प्रदेशभर में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। अब तक पोर्टल पर करीब 52.25 लाख आवेदन दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें से 46.62 लाख आवेदन मंजूर हो चुके हैं। करीब 89 प्रतिशत आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है।

सेवा सेतु के माध्यम से आय, जाति और मूल निवासी प्रमाणपत्र सहित कई जरूरी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन कर रहे हैं। इसके अलावा आयुष्मान कार्ड, राशनकार्ड और विवाह प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं का लाभ लेने के लिए भी पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। ऑनलाइन व्यवस्था शुरू होने से नागरिकों को संबंधित

प्रमाणपत्र से राशनकार्ड तक ऑनलाइन सुविधा

सरकारी कार्यालयों में बार-बार जाने की परेशानी से काफी राहत मिली है। आवेदन संख्या के लिहाज से रायपुर जिला प्रदेश में सबसे आगे है। रायपुर में अब तक 3 लाख 66 हजार 60 आवेदन दर्ज किए गए हैं। इनमें से 3 लाख 21 हजार 276 आवेदन मंजूर हो चुके हैं। वहीं 34 हजार 856 आवेदन अस्वीकृत, 7,444 आवेदन लंबित हैं, जबकि 47 आवेदन समयसीमा पार कर चुके हैं। रायपुर के बाद दुर्ग में 3 लाख 25 हजार 478, बिलासपुर में 2 लाख 67 हजार 175, बलौदाबाजार-भाटापारा में 2 लाख 54 हजार 317, राजनांदगांव में 2 लाख 44 हजार 751 और जांजगीर-चांपा में 2 लाख 44 हजार 367 आवेदन दर्ज किए गए हैं।

ऑनलाइन व्यवस्था से पहले आय, जाति और मूल निवासी प्रमाणपत्र समेत कई सेवाओं के लिए नागरिकों को संबंधित कार्यालयों में कई बार जाना पड़ता था। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने में सामान्य तौर पर दो से चार सप्ताह तक लग जाते थे और कई मामलों में इससे अधिक समय भी लगता था। सेवा सेतु ने आवेदन और प्रक्रिया की निगरानी को ऑनलाइन कर इस परेशानी को काफी हद तक कम किया है।

कलेक्टर करते हैं नियमित समीक्षा

सेवा सेतु पर आने वाले आवेदनों की प्रगति की जिलास्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है। कलेक्टरों को नियमित रूप से पोर्टल की स्थिति की समीक्षा करनी होती है। विभागवार रिपोर्ट सप्ताह में दो बार तैयार की जाती है, जिसमें प्राप्त, मंजूर और लंबित आवेदनों की स्थिति शामिल रहती है। इससे लंबित आवेदनों के शीघ्र निराकरण के लिए अधिकारियों पर लगातार निगरानी बनी रहती है।

यूथ कांग्रेस चुनाव : पहले ही दिन बने 50 हजार से अधिक ऑनलाइन सदस्य

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ में यूथ कांग्रेस के संगठन चुनाव की प्रक्रिया शुरू होते ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में चुनाव मैदान में उठते दावेदार अपने पक्ष में माहौल बनाने में जुट गए हैं। प्रदेश में पहले दिन 50 हजार से अधिक ऑनलाइन सदस्यता लेकर युवाओं ने उत्साह दिखाया है। बताया गया है कि रायपुर, दुर्ग, भिलाई और सरगुजा में यूवा कांग्रेस के नेता अधिक संख्या में ऑनलाइन सदस्यता लेकर अपने उम्मीदवार के पक्ष में आगे आए हैं।

यूथ कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव के लिए ऑनलाइन मतदान की प्रक्रिया 29 सितंबर तक चलेगी। संगठन के अलग-अलग पदों के लिए मतदाता अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में वोट कर

सकेंगे। चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, शहर जिला महासचिव, जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष समेत कई पदों के लिए दावेदार मैदान में हैं। ऑनलाइन मतदान के चलते उम्मीदवारों के लिए अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंच बनाना अहम हो गया है। यही वजह है कि चुनावी अभियान अब पारंपरिक बैठकों के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी दिखाई दे रहा है।

चुनाव की घोषणा के साथ ही दावेदारों ने सोशल मीडिया पर प्रचार अभियान तेज कर दिया है। उम्मीदवार अपने परिचय, संगठन में किए गए कार्यों और भविष्य की प्राथमिकताओं से संबंधित पोस्ट और वीडियो शेयर कर रहे हैं। इसके जरिए वे यूथ कांग्रेस के मतदाताओं से सीधे संवाद स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

चिंतन

दुनिया में बढ़ता भारत का रुतबा

उज्बेकिस्तान की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च राज्य सम्मान ‘ओलो दाराजली दोस्लिक’ से सम्मानित किया जाना केवल एक व्यक्ति को मिला सम्मान नहीं है, बल्कि यह बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता और उसके साथ मजबूत होते कूटनीतिक रिश्तों का संकेत है। मोदी को मिला यह 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। यह दिखाता है कि दुनिया में भारत का रुतबा लगातार बढ़ता जा रहा है। ताशकंद में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शावकत मिर्ज़ियोयेव के बीच हुई बातचीत का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि इसमें औसचारिक कूटनीति से आगे बढ़कर यूरैनियम, परमाणु ऊर्जा, रक्षा, व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे ठोस मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत को अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वसनीय और दीर्घकालिक साझेदारों की आवश्यकता है। ऐसे में मध्य एशिया के देशों के साथ ऊर्जा सहयोग भारत की अणनीतिक जरूरत बन चुका है। इसी तरह रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष सहयोग, हथियारों के संयुक्त उत्पादन और नई तकनीक विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ना भारत की बदलती रक्षा नीति को दर्शाता है। भारत अब केवल हथियार खरीदने वाला देश नहीं रहना चाहता। वह तकनीक, उत्पादन और अनुसंधान में साझेदारी बढ़ाकर अपनी सामरिक क्षमता मजबूत करना चाहता है। उज्बेकिस्तान के साथ रक्षा सहयोग ब्रिड दिशा में उपयोगी साबित हो सकता है। सबसे बड़ी चुनौती हालांकि व्यापार की है। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को पांच अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जबकि वर्तमान व्यापार एक अरब डॉलर से कुछ अधिक है। लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं होंगी। भारत को मध्य एशिया तक अपनी व्यापारिक पहुंच आसान करनी होगी। परिवहन, बैंकिंग, भुगतान व्यवस्था, निवेश और बाजार तक पहुंच से जुड़ी अड़चनों को दूर करना होगा। व्यापार बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र को सक्रिय भागीदारी भी जरूरी होगी। भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों का एक और महत्वपूर्ण पहलू आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ साझा चिंता है। मध्य एशिया की भौगोलिक स्थिति उसे अफगानिस्तान और व्यापक क्षेत्र में पैदा होने वाली अस्थिरता से सीधे जोड़ती है। भारत भी आतंकवाद को अपनी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मानता है। इसलिए दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग केवल द्विपक्षीय विषय नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता से जुड़ा मामला है। मध्य एशिया का क्षेत्र ऊर्जा संसाधनों से समृद्ध होने के साथ यूरोप और एशिया के बीच महत्वपूर्ण भौगोलिक कड़ी भी है। ऐसे समय में जब दुनिया बड़े शक्ति केंद्रों के बीच नए समीकरण बनते देख रही है, भारत के लिए जरूरी है कि वह अपने पड़ोस से आगे बढ़कर मध्य एशिया में भी आर्थिक और रणनीतिक उपस्थिति मजबूत करे। प्रधानमंत्री मोदी को मिला सम्मान इस बढ़ते प्रभाव का प्रतीक जरूर है, लेकिन सम्मान तभी सार्थक होगा जब उससे व्यापार बढ़े, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो, रक्षा सहयोग जमीन पर उतरे और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़े। उज्बेकिस्तान के साथ बढ़ता सहयोग इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दुनिया में भारत का रुतबा बढ़ रहा है, लेकिन इस रुतबे को स्थायी शक्ति में बदलने के लिए कूटनीतिक उपलब्धियों को आर्थिक ताकत, तकनीकी क्षमता और रणनीतिक आत्मनिर्भरता में बदलना होगा। यही नए भारत की असली वैश्विक पहचान होगी।

पर्यावरण ज्ञानेन्द्र रावत



खतरनाक संकेत है वन क्षेत्र में आ रही कमी

देश-दुनिया में यह मान्यता है कि वनों का होना हमारे स्वच्छ पर्यावरण, जीवन, स्वास्थ्य और मानवता का आधार है। पारिस्थितिकीय तंत्र में भी वनों की अहम भूमिका है। यही वह अहम वजह है जिसके कारण देश-दुनिया में आजकल वन क्षेत्र बढ़ाने की होड़ लगी हुई है। इसके पीछे संयुक्त राष्ट्र की 27 अप्रैल 2017 को जारी वनीकरण सम्बंधी वह योजना है। उसके तहत उसने वैश्विक स्तर पर 26 लक्ष्य निर्धारित किए थे, जिसके तहत समूची दुनिया में साल 2030 तक तीन फीसदी जंगल का दायरा बढ़ाना था। इस योजना के तहत जंगल बढ़ाने का दायरा फ्रांस के कुल क्षेत्रफल के दोगुने से भी अधिक था। बीते नौ सालों में उस लक्ष्य के केवल सात फीसदी की ही पूर्ति कर पाने में कामयाबी मिली है। खेदजनक यह है कि उनमें से दो लक्ष्य तो पूरी तरह अस्तित्व में आए ही नहीं। दुनिया के 48 देशों में जहां कुल वनों का 51 फीसदी हिस्सा वनाच्छादित है, वहां बीते 10 सालों में वन क्षेत्र में तकरीबन चार करोड़ हैक्टेयर से भी ज्यादा की कमी आई है। सबसे अधिक केवल एक साल यानी अकेले 2025 के दौरान ही दुनिया ने करीब 43 लाख हैक्टेयर यानी 1.06 करोड़ एकड़ वन खो दिये। यह लगभग 42,933 वर्ग किलोमीटर वाले डेनमार्क जैसे देश के बराबर है। अगर हम फुटबाल मैदानों की बात करें तो डेनमार्क में लगभग 60 लाख फुटबाल मैदान समा सकते हैं। इसका अर्थ यह कि धरती ने एक साल में 43,000 वर्ग किलोमीटर हरियाली खो दी। मैगलैड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अध्ययन से यह खुलासा हुआ है कि दुनिया में हर मिनट 11 फुटबाल मैदानों जितने बड़े वन खत्म हो रहे हैं। यह नुकसान एक दशक पहले की तुलना में 46 फीसदी से भी ज्यादा है। चिंतनीय यह कि अब वनीकरण का निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचने में केवल चार साल का ही समय बचा है। ऐसी हालत में यह सवाल बहस का मुद्दा बन गया है कि आखिर वह कौन से कारण रहे जिसके चलते वन संरक्षण की दिशा में दुनिया क्यों पिछड़ती जा रही है? यह भी गौरतलब है कि 2030 तक सतत विकास लक्ष्य हासिल करने के लिए वनावरण के दायरे को बढ़ाने और उपलब्ध वनों को सहेजने की दिशा में दुनियाभर में प्रगति संतोषजनक नहीं है। दरअसल 2021 के जलवायु शिखर सम्मेलन में 100 से भी अधिक देशों ने वादा किया था कि 2030 तक वे वनों की कटाई पूरी तरह रोक देंगे, लेकिन मौजूदा रफ्तार को देखते हुए दुनिया इस लक्ष्य से 70 फीसदी पीछे चल रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 1.6 अरब लोगों के लिए जंगल, भोजन,पानी,ईंधन और रोजगार के स्रोत हैं। हालांकि बढ़ते शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, भूमि उपयोग में बदलाव, दावानल,वनोन्मूलन और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के कारण वनों का अस्तित्व खतरे में है। वनों के विनाश में केवल वनों की आग की ही अहम भूमिका नहीं है, इसानी जरूरतें भी वन विनाश का बड़ा कारण है। जबकि वन न केवल सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जरूरी हैं बल्कि वे जैवविविधता के संरक्षण, खाद्य व आजीविका की सुरक्षा,गरीबी उन्मूलन, आक्सीजन की निरंतरता,मृदा संरक्षण, कार्बन अवशोषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भी जरूरी हैं। भारत में दावा बराबर वन क्षेत्र में बढ़ोतरी का किया जा रहा है लेकिन हकीकत में वन क्षेत्र में मामूली बढ़ोतरी के बावजूद देश में जगह-जगह जारी विकास परियोजनाओं,खनन, प्राकृतिक दबावों के कारण पुराने बड़े वनों के घनत्व में काफी कमी और मैग्रोव वनों में गिरावट दर्ज की गयी है। हमारा कुल वन क्षेत्र 7,15,342.61 वर्ग किलोमीटर यानी 21.76 फ्रीसदी है जबकि वृक्ष आवरण 1,12,014.34 वर्ग किलोमीटर यानी कुल 3.41 फीसदी है। कुल वन क्षेत्र के मामले में हमारे देश का दुनिया में 99वें को नम्बर है। इसके पीछे सड़क निर्माण, वह भी बड़े-बड़े हाई-वे निर्माण, बांध निर्माण, खदानें और शहरीकरण जैसे विकास कार्यों की अहम भूमिका के चलते पुराने वनों का घनत्व लगातार गिरता जा रहा है। हकीकत यह है कि हर साल तकरीबन 22 लाख से ज्यादा पेड़ों की बलि विकास यज्ञ में दी जा रही है। दरअसल आंकड़ों के जाल के तहत भारत में आधिकारिक आंकड़े कुल वन आच्छादन में भले स्थिरता दर्शाते हैं, किंतु प्राकृतिक वनों की गुणवत्ता और जैव विविधता का स्तर कम होने की प्रवृत्ति को नजरअंजब नहीं किया जा सकता। उसमें आये-दिन कमी आ रही है वास्तविक चुनौती प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों की संरचना, उनकी जैविक विविधता और उनकी पुनरुत्पादक क्षमता को सुरक्षित रखने की है। जबतक ऐसा नहीं होगा, यह संकेत गहराता ही चला जाएगा।

(लेखक पर्यावरणविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



आर्थिकी सतीश सिंह

भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय मजबूती और अनिश्चितता के दो समानांतर धरातलों पर आगे बढ़ रही है। घरेलू उपभोग, सेवा क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन, सरकारी पूंजीगत व्यय और बैंक ऋण में तेजी विकास को सहारा दे रही है। ऊंची थोक महंगाई, वैश्विक युद्ध, कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियां और बाधित वैश्विक आपूर्ति-शृंखलाएं विकास के लिए जोखिम पैदा कर रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (रियल जीडीपी) वृद्धि 7.3 प्रतिशत और चौथी तिमाही की वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही। भारतीय रिजर्व बैंक ने अगस्त 2026 में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान व्यक्त किया है। इसका अर्थ है कि अर्थव्यवस्था की रफ्तार मजबूत बनी हुई है, लेकिन पिछले वर्ष के मुकाबले कुछ नरमी आ सकती है। यह संभावित नरमी कमजोरी से अधिक वैश्विक अनिश्चितता, महंगाई और लागत संबंधी दबाव का परिणाम है। जुलाई 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई 4.45 प्रतिशत रही। विश्व रिजर्व बैंक के 6 प्रतिशत के ऊपरी सहनशीलता स्तर से नीचे है, लेकिन 4 प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है। खाद्य पदार्थों, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि सीधे परिवारों की क्रयशक्ति को प्रभावित करती है। गरीब और निम्न-मध्यम वर्ग अपनी आय का बड़ा हिस्सा भोजन और आवश्यक वस्तुओं पर खर्च करता है, इसलिए खाद्य महंगाई उसके लिए औसत आंकड़े से अधिक कष्टकारी होती है। इसके विपरीत, जुलाई में थोक महंगाई 9.78 प्रतिशत रही, जो जून के 9.87 प्रतिशत से मामूली कम है। नई आधार-वर्ष शृंखला के अंतर्गत ईंधन एवं बिजली की महंगाई 20.05 प्रतिशत और विनिर्मित उत्पादों की महंगाई 8.29 प्रतिशत रही। विश्लेषण से पता चलता है कि औद्योगिक कच्चे माल, धातु, रसायन, वस्त्र, प्लास्टिक और विद्युत उपकरणों पर लागत का दबाव बना हुआ है। खुदरा और थोक महंगाई का यह अंतर चेतावनी देता है। उत्पादक बढ़ी हुई लागत को कुछ समय तक अपने लाभभांश में समाहित कर सकते हैं, लेकिन लगातार ऊंची थोक महंगाई अंततः उपभोक्ताओं के जब तक पहुंच सकती है। इससे रिजर्व बैंक के लिए ब्याज दरों में नरमी की गुंजाइश सीमित हो सकती है। अगस्त की मौद्रिक नीति में रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई का अनुमान 5 प्रतिशत रखा है। औद्योगिक क्षेत्र से उत्पादजनक संकेत मिल रहे हैं। जून 2026 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 7.3 प्रतिशत बढ़ा। विनिर्माण उत्पादन में 7.8 प्रतिशत

निंदा का परित्याग

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में निर्वहन के लिए व्यक्ति के सामाजिक गुणों का अत्यंत महत्व है। गुणी व्यक्ति को प्रत्येक जगह सम्मान की प्राप्ति होती है। संसार के प्रत्येक प्राणी में कुछ गुण तो कुछ अवगुण पाए जाते हैं, परंतु कुछ लोग हैं जो दूसरे के अवगुणों को ही देखते हैं। वे किसी भी सकारात्मक पक्ष में नकारात्मकता देखने के अभ्यस्त हो जाते हैं। प्रायः ऐसे लोगों में निंदा की प्रवृत्ति पाई जाती है। वे ऐसा करके खुद को समाज में श्रेष्ठ एवं दूसरे को नीचा साबित करना चाहते हैं। निंदा एक नरुषी की भाँति है, जो एक बार इसका आदी हो गया, वह दिन-प्रतिदिन इसके पाश में जकड़ता चला जाता है। मनीषियों ने निंदा को दुर्व्यसन के समान माना है, जो निंदा करने वाले व्यक्ति को अंदर ही अंदर नैतिक रूप से समाप्त करती रहती है। एक बार एक आचार्य अपने शिष्यों को शिक्षा प्रदान कर रहे थे। शिक्षा प्राप्ति के दौरान एक शिष्य अन्य शिष्यों की ओर संकेत करते हुए आचार्य से कहने लगा कि ‘वे अपना कार्य सही से नहीं कर रहे हैं। मुझे लगता है इन लोगों को कार्य करना ही नहीं आता।’ आचार्य बोले, ‘तुमको छोड़ अन्य सारे शिष्य सही से कार्य कर रहे हैं।’ इस पर शिष्य असहज हो गया। उसने आचार्य से पूछा, ‘वह कैसे?’ आचार्य बोले, ‘क्योंकि वे लोग अपने कार्य में संलग्न हैं, किंतु तुम अपने कार्य पर ध्यान न देकर, दूसरों के कार्य की निंदा करने में अपने समय की बर्बादी कर रहे हो।’



करंट अफेयर

अमेरिका ने कई अफगानियों को मध्य अफ्रीकी गणराज्य भेजा

अमेरिका ने शनिवार को कई लोगों को मध्य अफ्रीकी गणराज्य निर्वसित किया, जिनमें एक अफगान नागरिक भी शामिल है, जिसके भाइयों ने अमेरिकी सेना के साथ मिलकर काम किया था। यह जानकारी उसके वकील और एक मानवाधिकार संगठन ने दी। इस अफगान नागरिक की उम्र 20 वर्ष के आसपास है। उसके वकील अल्मा डेविड ने बताया कि एक अमेरिकी न्यायाधीश ने तालिबान द्वारा उत्पीड़न की आशंका के कारण उसे अफगानिस्तान निर्वासित किए जाने से सुरक्षा प्रदान की थी। ‘ द एसोसिएटेड प्रेस ’ को प्राप्त हुए अदालती दस्तावेजों के अनुसार, अफगानिस्तान में उसके परिवार को तालिबान की ओर से धमकियां मिली थीं, क्योंकि उसके भाइयों ने अमेरिकी सेना के समर्थन में काम किया था। डेविड ने बताया कि इस अफगान नागरिक का एक भाई अमेरिका में रहता है और उसने अफगान राष्ट्रीय सेना में सेवा की थी। तालिबान के 2021 में सत्ता पर कब्जा करने से पहले अफगान राष्ट्रीय सेना अमेरिकी सेना के साथ मिलकर काम करती थी। उन्होंने बताया कि उसका एक अन्य भाई अमेरिका में प्रशिक्षित पायलट था, जिसकी तालिबान ने हत्या कर दी थी।



निर्भर करता है। समय के साथ वजन में बदलाव कैलोरी की खपत की ओर इशारा कर सकता है। अगर उनका वजन बढ़ रहा है, तो इसका मतलब यह है कि वे जितनी कैलोरी जला रहे हैं, उससे ज्यादा सेवन कर रहे हैं। वहीं, अगर उनका वजन घट रहा है, तो इसका मतलब यह है कि वे जितनी कैलोरी ले रहे हैं, उससे ज्यादा जला रहे हैं। शायद यह समझना ज्यादा उपयोगी होगा कि वजन हमें स्वास्थ्य संबंधी चीज़ें-सी जानकारी नहीं देता।



हमें पढ़ाया गया है कि दुबलेपन का सेहत से और अधिक वजन का बीमारी से संबंध होता है। लेकिन विज्ञान एक ज्यादा बारीक कहानी कहता है—जहां वजन एक कहीं ज्यादा जटिल तस्वीर में सिर्फ एक आंकड़ा भर है। तो अगर अकेले वजन ही यह नहीं दर्शाता कि हम कितने खरब हैं, तो और क्या दर्शाता है? शरीर का वजन स्वास्थ्य के सबसे ज्यादा मापे जाने वाले पैमानों में से एक है। समाज इस पर बहुत जोर देता है और किसी व्यक्ति के वजन की आलोचना को अवसर स्वास्थ्य संबंधी चिंता के रूप में देखा जाता है। (तो वजन असल में किसी सार्थक स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करता है? सीधे शब्दों में कहें तो, व्यक्ति का वजन शरीर द्वारा ग्रहण की जा रही कैलोरी पर

निर्भर करता है। समय के साथ वजन में बदलाव कैलोरी की खपत की ओर इशारा कर सकता है। अगर उनका वजन बढ़ रहा है, तो इसका मतलब यह है कि वे जितनी कैलोरी जला रहे हैं, उससे ज्यादा सेवन कर रहे हैं। वहीं, अगर उनका वजन घट रहा है, तो इसका मतलब यह है कि वे जितनी कैलोरी ले रहे हैं, उससे ज्यादा जला रहे हैं। शायद यह समझना ज्यादा उपयोगी होगा कि वजन हमें स्वास्थ्य संबंधी चीज़ें-सी जानकारी नहीं देता।

और बिजली एवं गैस उत्पादन में 10.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई, जबकि खनन की वृद्धि 1 प्रतिशत रही। इससे स्पष्ट है कि औद्योगिक सुधार व्यापक है, लेकिन सभी क्षेत्रों में समान नहीं है। कमजोर खनन उत्पादन भविष्य में कुछ उद्योगों की इनपुट उपलब्धता को प्रभावित कर सकता है। सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख इंजन बना हुआ है। डिजिटल सेवाएं, वित्त, संचार, पर्यटन, विमानन, परिवहन, खुदरा व्यापार और पेशेवर सेवाएं आर्थिक गतिविधियों को गति दे रही हैं। मई 2026 के प्रायोगिक सेवा उत्पादन सूचकांक में 27.4 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई, हालांकि नई एवं परीक्षाधीन शृंखला और



आधार प्रभाव के कारण इस आंकड़े की व्याख्या सावधानी से की जानी चाहिए। सेवा क्षेत्र की मजबूती रोजगार और निर्यात के लिए अनुकूल है, परंतु उच्च कलित वाली सेवाओं और अपेक्षाकृत कम उत्पादकता वाले अनौपचारिक रोजगार के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। आर्थिक गतिविधियों की मजबूती बैंक ऋण में भी दिखाई देती है। 15 जुलाई 2026 तक बैंक ऋण की सालाना वृद्धि 17.7 प्रतिशत रही, जबकि एक वर्ष पहले यह 9.9 प्रतिशत थी। सेवा और खुदरा क्षेत्रों में ऋण प्रवाह मजबूत है। एमएसएमई ऋण में निरंतर वृद्धि तथा बड़े उद्योगों के ऋण में सुधार निजी निवेश के धीरे-धीरे पुनर्जीवित होने का संकेत देता है। कृषि ऋण भी स्थिर गति से बढ़ रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की ‘अमेरिका फर्स्ट’ नीति ने वैश्विक व्यापार को अधिक संरक्षणवादी बना दिया है। अप्रैल 2025 में व्यापक जवाबी शुल्क नीति लागू करने के बाद अमेरिका ने भारत पर भी ऊंचे शुल्क लगाए थे। फरवरी 2026 के भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के ढाँचे के अंतर्गत भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क हटया गया तथा पारस्परिक शुल्क 25 से घटाकर 18

प्रतिशत किया गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जुलाई 2026 में वैश्विक वृद्धि 2026 के लिए 3 प्रतिशत और 2027 के लिए 3.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। भारत की वृद्धि का अनुमान 6.4 प्रतिशत है, जिससे वह प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज बढ़ने वाले देशों में बना हुआ है। अमेरिका और यूरो क्षेत्र की वृद्धि भारत से काफी नीचे है। कुछ आसियान अर्थव्यवस्थाएं प्रौद्योगिकी और डेटा-सेंटर निवेश से लाभ उठा रही हैं, परंतु उनकी रफ्तार भी भारत से कम रहने का अनुमान है। भारत का लाभ विशाल घरेलू बाजार और युवा आबादी है, जबकि कमजोरी प्रति व्यक्ति आय, उत्पादकता, महिला श्रम भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण रोजगार के मोचें हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव और अमेरिका-ईरान टकराव ऊर्जा, उर्वरक, खाद्यान्न और समुद्री व्यापार के लिए जोखिम हैं। आईएमएफ का भी मानना है कि युद्ध के कारण वैश्विक महंगाई में कमी नहीं आ रही है।भारत को विकास की गति बनाए रखने के लिए महंगाई नियंत्रण और वृद्धि समर्थन के बीच संतुलन बनाना होगा। खाद्य महंगाई का टिकाऊ समाधान केवल ब्याज दर बढ़ाना नहीं, बल्कि सिंचाई, भंडारण, कोल्ड-चेन, परिवहन, बाजार सूचना और कृषि आपूर्ति सुधारना है। प्रौद्योगिक आयात पर निर्भरता घटाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, जैव ईंधन, सार्वजनिक परिवहन और ऊर्जा दक्षता को तेज करना होगा। ‘चीन-प्लस-वन’ रणनीति का लाभ लेने के लिए लॉजिस्टिक्स लागत घटाने, बिजली आपूर्ति सुधारने, भूमि एवं श्रम नियम सरल करने तथा अनुबंध प्रवर्तन मजबूत करने की जरूरत है। मुक्त व्यापार समझौतों के साथ घरेलू एमएसएमई को तकनीक, गुणवत्ता प्रमाणन और सहाय वित्त उपलब्ध कराया जाना चाहिए। बैंक ऋण को उपभोग से अधिक उत्पादन और रोजगारोन्मुख निवेश की ओर मोड़ना होगा।

सामाजिक सुरक्षा, कोशल विकास और महिला रोजगार में सुधार घरेलू मांग को अधिक समावेशी और स्थायी बना सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति आशावादी अवश्य है, लेकिन जोखिमयुक्त नहीं। तेज विकास, औद्योगिक उत्पादन, मजबूत सेवा गतिविधि और बढ़ता बैंक ऋण इसकी आंतरिक शक्ति हैं, ऊंची थोक महंगाई, संरक्षणवादी व्यापार नीतियां, युद्ध और अस्थिर आपूर्ति-शृंखलाएं इसकी बड़ी चुनौतियां हैं। भारत की सफलता केवल विश्व की सबसे तेज बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बने रहना में नहीं, बल्कि इस वृद्धि को रोजगारपरक, महंगाई-नियंत्रित, क्षेत्रीय रूप से संतुलित और सामाजिक रूप से समावेशी बनाने में निहित है।

(लेखक आर्थिक रसंकर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर वे सकते हैं।

मुनि के शाप से देवराज इंद्र से छिन गया था स्वर्ग

एक दिन दुर्वासा मुनि विष्णु जी के पास पहुंचे। उस समय विष्णु जी ने दुर्वासा मुनि को अपनी दिव्य माला उपहार में दी। विष्णु जी से मिलकर दुर्वासा मुनि लौट रहे थे। तभी उन्हें रास्ते में देवराज इंद्र दिखाई दिए। इंद्र अपने ऐरावत हाथी पर सवार थे और दुर्वासा मुनि पैदल थे। इन दोनों ने एक-दूसरे को देख लिया। उस समय दुर्वासा जी ने सोचा कि विष्णु जी ने जो माला दी है, वह मेरे किसी काम की नहीं है। ये माला इंद्र को दे देता हूं। इंद्र स्वर्ग के राजा हैं तो उनके गले में ये माला शोभा देगी। ऐसा सोचकर दुर्वासा मुनि ने विष्णु जी की माला इंद्र को उपहार में दे दी। देवराज इंद्र ने वह माला ले ली। उस समय देवराज इंद्र का अंहकार जाग गया। वह अपने ऐरावत हाथी पर बैठे हुए थे, स्वर्ग के राज-पाठ का घमंड था। इसी घमंड की वजह से इंद्र ने सोचा कि ये सामान्य सी माला मेरे काम नहीं आएगी। ये सोचकर इंद्र ने वह माला अपने ऐरावत हाथी के ऊपर डाल दी। ऐरावत ने अपनी सूंड से वह माला पकड़ी और पैरों से कुचल दी। ये सब दुर्वासा मुनि ने देख लिया, अपने उपहार का ऐसा अपमान देखकर वे क्रोधित हो गए। गुस्से में उन्होंने इंद्र से कहा कि आज तूने अपने राज-पाठ और पद के घमंड में मेरे उपहार का अनादर किया है, मैं तूझे शाप देता हूं, तेरा सारा वैभव चला जाएगा और तू स्वर्गहीन हो जाएगा। इसके बाद असुरों ने देवताओं पर आक्रमण कर दिया और देवता पराजित हो गए। इंद्र को स्वर्ग से जाना पड़ा था।



18600 फीट पर सेना का साहस, हेलीकॉप्टर ने एक रिकड टिकाकर मरीज को बचाया



नुन-कुन पहाड़ी पर कम रोशनी में रेस्क्यू ने किया दुनिया को अचंभित

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

भारतीय सेना के एविग्रेशन पायलटों ने शनिवार को बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में 18,600 फीट की ऊंचाई पर सफल मेडिकल रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। नुन-कुन पर्वत श्रृंखला के पास तेज हवाओं और खड़ी पहाड़ी ढलान के बीच एक घायल व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह अभियान उस समय किया गया, जब ऊंचाई वाले इलाके में दिन की आखिरी रोशनी तेजी से खत्म हो रही थी। ऐसे में पायलटों के पास ऑपरेशन पूरा करने के लिए बेहद कम समय था।

18,600 फीट पर हेलिकॉप्टर उड़ाना था चुनौतीपूर्ण

इतनी अधिक ऊंचाई पर हवा का घनत्व काफी कम हो जाता है। इससे हेलिकॉप्टर के इंजन के प्रदर्शन और रोटर से मिलने वाली लिफ्ट पर असर पड़ता है। चुनौती को देखते हुए विमान से गैर-जरूरी सामान हटाकर उसका वजन कम किया गया। हेलिकॉप्टर में केवल जरूरी ईंधन रखा गया, ताकि वजन कम रहने से ऊंचाई पर उड़ान और रेस्क्यू की क्षमता बेहतर बनी रहे। इसके बावजूद मरीज को सुरक्षित निकालने के लिए पर्याप्त दूरी तय करने लायक ईंधन रखा गया।



खड़ी ढलान पर कैसे हुआ रेस्क्यू?

मरीज तक पहुंचने के बाद पायलटों के सामने सबसे बड़ी चुनौती हेलिकॉप्टर को उतारने के लिए जगह न होना थी। घटनास्थल पर तेज पहाड़ी हवाएं चल रही थीं और ढलान काफी खड़ी थी। ऐसे हालात में हेलिकॉप्टर का सिर्फ एक रिकड ढलान से टिकाया गया। इसी स्थिति में मरीज को तेजी से हेलिकॉप्टर के अंदर सुरक्षित किया गया। मरीज को सुरक्षित लेने के बाद हेलिकॉप्टर ने वहां से उड़ान भरी और सफलतापूर्वक नीचे पहुंचा।

सेना ने बताया साहस और तकनीकी दक्षता का उदाहरण

भारतीय सेना की फायर एंड परफ़ॉर्मेंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस अभियान की जानकारी साझा की। सेना ने बताया कि नुन-कुन के पास 18,600 फीट की ऊंचाई पर बिना लैंडिंग स्पेस और तेज हवाओं के बीच यह निकासी की गई। सेना के मुताबिक, आखिरी उपलब्ध लैंडिंग विंडो का इस्तेमाल करते हुए पायलटों ने असाधारण सटीकता और साहस के साथ ऑपरेशन पूरा किया।

हेलिकॉप्टर को हल्का करने उतारे गैरजरूरी उपकरण

भारतीय सेना के पायलटों ने नुन-कुन के पास 18,600 फीट की ऊंचाई पर बेहद चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू करने से पूर्व हेलिकॉप्टर को हल्का करने के लिए गैर-जरूरी उपकरण हटाए गए और सीमित ईंधन के साथ उड़ान भरी गई। यह रेस्क्यू अभियान भारतीय सेना एविग्रेशन की ऑपरेशनल तैयारी, तकनीकी क्षमता और कठिन पर्वतीय इलाकों में लोगों की जान बचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

खबर संक्षेप

शी जिनिपिंग शिखर सम्मेलन में भाग लेने किर्गिस्तान पहुंचे

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनिपिंग 26वें शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रविवार को किर्गिस्तान पहुंचे। इस सम्मेलन में

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एएससीओ सदस्य देशों के अन्य नेता भी शामिल होंगे। एएससीओ का शिखर सम्मेलन 31 अगस्त से एक सितंबर तक आयोजित होगा। एएससीओ के सदस्य देशों में रूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, बेलारूस और चीन शामिल हैं।

बलूचिस्तान में धमाका तीन भाइयों की मौत

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक गाड़ी को लक्षित कर संवर्धित विस्फोटक उपकरण में किये गए धमाके में तीन भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह धमाका डुकी जिले की लुनी तहसील के किल्ली बख्तियार खान इलाके के पास हुआ। डुकी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मंसूर अहमद बुजदार ने बताया कि तीनों भाई अपनी पिक-अप ट्रक में सवार होकर खेतों की ओर जा रहे थे।

चिटफंड घोटाले का आरोपी प.बंगाल में गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने चिट-फंड 'घोटाले' से जुड़े मामले में फरार डीएनबी फूड प्रोसेसिंग के प्रवर्तक देबब्रत दत्ता को गिरफ्तार कर लिया है।

राशिफल

	संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।
	खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।
	शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।
	क्रोध एवं आदेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।
	कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।
	कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।
	लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।
	संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेगा।
	स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।
	आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।
	क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।
	किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

न्यूयॉर्क में आयोजित ‘यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन’ कार्यक्रम में रखे विचार

एकता और विविधता भारत के डीएनए में है इसका सम्मान किया जाना चाहिए : भागवत

►► राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित ‘यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन’ कार्यक्रम में भारत की विविधता, एकता, मानवता और आध्यात्मिक विकास को लेकर अपने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने कहा कि एकता और विविधता भारत के डीएनए में है। इस कार्यक्रम में 5 हजार से अधिक भारतीय मूल के अमेरिकी शामिल हुए, जबकि 30 देशों के करीब 180 धार्मिक नेता भी शामिल हुए।

एजेसी ►► नई दिल्ली

इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में ‘वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी’ कार्यक्रम में धर्म, मानवता और भारत की परंपराओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक सोच रही है कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है। मोहन भागवत ने कहा कि यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, तो वह एक हिंदू नहीं रह जाएगा।

इंसानियत सभी धर्मों से ऊपर

संघ प्रमुख ने कहा कि लोगों का पहनावा, रहन-सहन, शरीर और पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन उनके बीच एक जन्मजात जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि इंसानियत सभी धर्मों से ऊपर है और अलग-अलग रास्ते अंततः एक ही सत्य की ओर ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का दायित्व है कि वह स्वयं ‘विविधता में एकता’ को महसूस करे और समय-समय पर पूरी दुनिया को भी इसका एहसास कराए। उन्होंने मानव जीवन में आध्यात्मिक विकास को भी जरूरी बताया।



कई परंपराएं मगर एक धाने में बुने हार जैसी

आरएसएस चोफ भागवत ने कहा, कई भारतीय परंपराओं में कई नाम हैं, लेकिन यह सच है जो हम सभी को जोड़ता है। हमारे अलग-अलग शरीर, अलग-अलग कपड़े, अलग-अलग पूजा, सब कुछ अलग होने के बावजूद, एक ही धाने से बुने हुए हार के मोतियों की तरह, यह आत्मा हर किस्मों में है और यह हम सभी को जोड़ती है।

कर्मभूमि के प्रति वफादार रहना चाहिए

भागवत ने कहा, अमेरिका में रहने वाले भारतीय लोगों का अपनी कर्मभूमि के प्रति एक फर्ज है और उन्हें उसे पूरा करना चाहिए। उन्हें अपनी कर्मभूमि के प्रति वफादार रहना चाहिए। क्योंकि भारत उनकी जन्मभूमि है, अगर उनमें कुछ करने की इच्छा है, तो वे अपनी कर्मभूमि के प्रति अपना फर्ज पूरा करने के बाद वह कर सकते हैं, यह मना नहीं है। लेकिन यह जरूरी नहीं है। आपकी जन्मभूमि आपसे उम्मीद करती है कि आप उन मूल्यों पर जिन्हें जो उसने आपको दिए हैं।

संघ की किताबों में तो कुछ और ही लिखा है : दीक्षित

संघ प्रमुख भागवत के बयान पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा, ‘अगर कोई संघ की प्राथमिक किताबें पढ़े तो उसमें विव्धत किया जाता है कि भारत के तीन दुश्मन हैं- मुसलमान, कम्युनिस्ट और क्रिश्चियन। अगर ये दुश्मन माने गए हैं तो कैसे कह सकते हैं कि सभी बराबरी के हैं। दीक्षित ने कहा विनायक दामोदर सावरकर ने कहा था कि हिन्दुस्तान में ये दूसरे दर्जे के लोग होने चाहिए।

समझ नहीं आया राहुल बोल रहे या भागवत : सिब्बल

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका में विविधता पर दिए गए बयानों पर राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा उन्हें यह समझ नहीं आया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी बोल रहे थे या संघ प्रमुख। सिब्बल ने कहा कि आप विदेशों में तो विविधता को स्वीकार करते हैं, लेकिन देश में विविधता को बदलश नहीं करते।

यह आरएसएस की पुरानी चाल : ओवैसी

संघ प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में हुए कार्यक्रम के एक बयान पर अब एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यह आरएसएस की पुरानी चाल है। कुछ बातें दुनिया के लिए होती हैं, कुछ अपने सदस्यों के लिए। आरएसएस के लिए भारतीय मुसलमान और ईसाई क्रमशः नंबर एक और नंबर दो के आंतरिक खतरे हैं। गोलवलकर का कहना है कि मुस्लिम नागरिकों को हमसा शक की नजर से देखा जाना चाहिए।



आईएसआईएस से जुड़े आतंकी फसीउर को 7 साल की सजा

अल-हिंद टेरर केस में एनआईए कोर्ट का बड़ा फैसला

एजेसी ►► नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन आईएआईएस से जुड़े आतंकी साजिश मामले में आरोपी सैयद फसीउर रहमान को दोषी ठहराते हुए 7 साल की कठोर कैद और 48 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला मूल रूप से कर्नाटक पुलिस ने 10 जनवरी 2020 को बंगलुरु में दर्ज किया था और एनआईए ने 23 जनवरी 2020 को इसे अपने हाथ में लेकर अल-हिंद आईएसआईएस केस के तौर पर फिर से दर्ज किया था। अब तक एनआईए ने 20 आरोपियों के खिलाफ 3 चार्जशीट दाखिल की हैं। इससे पहले, अक्टूबर 2025 में शुरू हुए ट्रायल के दौरान अपना अपराध कबूल करने के बाद हनीफ खान को 14 जुलाई को दोषी ठहराया गया था।



साजिश का मुख्य आरोपी महबूब पाशा

एनआईए की जांच के अनुसार, इस साजिश का मास्टरमाइंड मामले का मुख्य आरोपी महबूब पाशा था, जिसने बंगलुरु के गुरुप्पनापाल्या स्थित अपने घर पर कई बैठकों की थीं। इन बैठकों में आरोपियों ने सांप्रदायिक दंगे भड़काने और प्रतिबंधित आईएसआईएस आतंकवादी संगठन के राष्ट्र-विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए टारगेटेड किलिंग करने की योजना बनाई थी। दोषी ठहराए गए सैयद फसीउर रहमान को साजिश की बैठकों में शामिल पाया गया था और उसने अल-हिंद समूह के सदस्यों की जंगल-कैप ट्रेनिंग के लिए एक स्पोर्ट्स शोरूम से टैट और चाकू खरीदे थे। इस साजिश का मकसद आईएसआईएस/दाएश विलायत (प्रांत) स्थापित करना था।

दो आईएसआईएस आतंकी और पकड़ाए

इससे पहले, 13 अगस्त को कर्नाटक के कलबुर्गी में पाकिस्तान और आतंकी संगठन आईएसआईएस से कथित संबंधों के आरोप में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की पहचान मोहम्मद समीर और सलमान के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, दोनों कथित तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और आईएसआईएस के साथ नियमित संपर्क में थे।

मणिपुर में फिर हिंसा

थौबल में ग्रेनेड धमाका

नोनी में उग्रवादी गुटों के बीच गोलीबारी, एक मृत, छह घायल



इंफाल। मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। नोनी जिले में एक सशस्त्र संगठन के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में एक उग्रवादी की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। वहीं, थौबल जिले में एक तेल पंप के भीतर ग्रेनेड फेंके जाने से धमाका हुआ, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस के मुताबिक एक अन्य गांव मरैरा में पांच आईईडी और कई ड्रोन बम सहित बड़ी संख्या में हथियार मिले।

दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी

पुलिस के मुताबिक, कल तकके नोनी जिले में जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-कामसन और जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-जेवुई के कैडरों के बीच टकराव हुआ। इस दौरान दोनों पक्षों में गोलीबारी हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने मृतक की पहचान 37 वर्षीय जांगैलिंग गोनमई के रूप में की है।

थौबल में तेल पंप पर ग्रेनेड से धमाका

मणिपुर के थौबल जिले में कुछ अज्ञात लोगों ने एक तेल पंप पर ग्रेनेड फेंका। आरोपी शाम करीब 6:30 बजे एक कार से वहां पहुंचे और परिसर के अंदर खड़े एक तेल टैंकर के पास ग्रेनेड फेंक दिया। धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

तजाकिस्तान में बंधवाई राखी...



तजाकिस्तान। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान उज्बेकिस्तान पहुंचे जहां भारतीय मूल के नागरिकों ने उनका पारंपरिक स्वागत किया और उन्हें राखी भी बांधी।

शब्द पहेली - 6333

1	2	3	4	5	6	7
			8			9
10		11				
12		13		14	15	16
			17		18	
19	20		21	22	23	24
				25		
26			27		28	
			29	30		
31	32	33			34	
35				36		

बाएँ से दाएँ-

- फिसलना-4
- गुनाह, जुर्म-4
- नाब चलानेवाला-3
- लड़ी, श्रंखला -2
- ईश्या, डाह-3
- उदर्य, वजह-4
- भोजन-2
- थकावट-3
- जी, चित-2
- मंत्र पढ़ना-2,3
- राजपुत्र, राज कुंवर-2,3
- यात्रा करनेवाला-2
- समझौता, सधि-3
- ईसाई साध्वी-2
- मनुमुद्रा-4
- नौकर-3
- बदला-2
- गर्भ, कोख-3
- रुआफ-4
- सज्जनता-4

ऊपर से नीचे

- लम्हा, क्षण-2
- नामित, मनोनीत-4
- निवास, हरम-5
- बुद्धि-3
- गोद, लाख-2
- हृदयगति, स्पंदन-4
- विष्मी व सुनील दत्त की फिल्में-4
- शिक्षा, पाठ-3
- कालिख, कालापन-3
- इंकार, मनाही-2
- झंडा, पताका-2
- चौकसी, रखवाली-3
- मोटा आटा, सूजी-2
- निशा, रात-2
- अच्छे कुल का-3
- प्रस्थान, विदा-4
- यान चलाने वाला-2,3

26.सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4

28.प्रार्थना, मनोकामना-4

29.गरल, विष-3

32.ताल (अंग्रेजी-2)

34.पात्र, थापा, संवक, डाई-2

यूडीकु नवताल - 6343								**** सरल			
		6	4		5	8					
9											
6	5				4				7	1	
	4								2		
1	2				6				9	8	
3					8					9	
		8	6		9	5					
यूडीकु नवताल - 6342 का हल								**** सरल			
2	4	5	6	9	8	1	7	3			
1	7	6	4	1	5	8	2	9			
3	8	9	1	2	7	6	5	4			
9	1	7	3	6	2	4	8	5			
5	6	3	8	7	4	9	1	2			
4	2	8	5	1	9	3	6	7			
7	3	1	9	5	6	2	4	8			
8	9	2	7	4	1	5	3	6			
6	5	4	2	8	3	7	9	1			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहली का केवल एक ही हल है।

महादेव सट्टा एप के प्रमोटरों पर कसेगा शिकंजा, टैक्स जमा करने तीन नोटिस और जारी कर सकता है डीजीजीआई

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

महादेव सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल सहित जिन १7 लोगों को डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) ने नोटिस जारी किया है। उन पर डीजीजीआई आने वाले दिनों में शिकंजा कसेगा। अभी जिन लोगों को 40 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा टैक्स जमा करने नोटिस जारी किया गया है। जवाब नहीं देने पर उन्हें एक माह बाद पुनः नोटिस जारी किया जाएगा।

खास बातें

- टैक्स जमा नहीं करने, नोटिस का जवाब नहीं देने पर पेनाल्टी सहित टैक्स की राशि दोगुनी हो जाएगी

- हर माह 18 प्रतिशत ब्याज जुड़ता जाएगा

तरह महादेव सट्टा एप के प्रमोटरों के खिलाफ टैक्स की राशि बढ़कर 81 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाएगी। साथ ही उन टैक्स की राशि पर हर साल 18 प्रतिशत की दर से ब्याज जोड़ा जाएगा। डीजीजीआई

कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ मारपीट, चार गिरफ्तार

अंबिकापुर। शहर के दर्रापारा में शनिवार की रात कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ की गई मारपीट के मामले में पुलिस चार आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद किया है। घटना में फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार दर्रापारा निवासी गुरप्रित सिंह सिद्धू ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 29 अगस्त की रात 8.30 बजे साहिल साहू, राजा साहू व अन्य तीन लोग प्रार्थी को गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर जान से मारने की गियत से जमकर मारपीट की थी। इस दौरान बीच बचाव करने आयी पत्नी के साथ भी मारपीट की गई। इस मामले में पुलिस ने साहिल साहू, सुनील साहू, अमिल चटर्जी उर्फ संजु, आयुष एवं अन्य के विरुद्ध बीएनएस की धारा 1९0, 191(2), 2९6, 351(3), 115(2), 333, 10९ के तहत अपराध दर्ज किया। घटना में प्रयुक्त बुलेट वाहन जब्त किया गया है। मारपीट की घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

इन पर हुई कार्रवाई

इस मामले में जांच उपरत पुलिस ने दर्रापारा निवासी 22 वर्षीय साहिल साहू आ. सुनील साहू, 1९ वर्षीय आयुष बरला आ. ललित बरला, 47 वर्षीय सुनील साहू आ. स्व. सेवक राम व 55 वर्षीय अमिल कुमार चटर्जी उर्फ संजु आ. स्व. मनमोहन चटर्जी को गिरफ्तार किया गया है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल	
नेमीचंद गल्ली, रामसागढ़ पट्टा, स्टेशन रोड रायपुर	
 	- कान, नाक, गला रोग - Hearing Aids - दंत रोग - मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी - चक्कर, खरॉटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल	
१० आमा सिटी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425	- प्रसूति - नवजात - शिशु रोग - बांझपन - सोनोग्राफी - आयुष्मान कार्ड - बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन - अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल	
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa1R	डॉ राका शिवहरे भर्ती सुविधा MBBS, MD FNIC FIPA उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फ़ोन : ०771- 4०6०92९, मो. 7389485756	

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता है

आवश्यकता है- प्रो सोलर एजेंसी हमारी में सोलर पैनल का प्रचार प्रसार करने हेतु लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है।सैलरी- पेट्रोल-कमीशन, लोकेशन ऑफिस-बिलासपुर (ऑल छत्तीसगढ़) तत्काल सम्पर्क करें- 6267171617 (4173६)

आवश्यकता है- फोर व्हीलर वर्कशॉप हेतु लड़के/लड़कियों एवं कम्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, प्यून चाहिए। वेतन योग्यतानुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- श्रीबालाजी सेल्स एण्ड वॉर्सिसेज इंडु चौक के पास मगरपारा रोड बिलासपुर (41738)

आवश्यकता है- सुशाखाई 2पद सैलरी 8000 तक ड्राइवर 2पद सैलरी 10000 तक, किचन सुपरवाइजर 1पद, रेस्टोरेंट मैनेजर 1पद, सैलरी 12000 से 15000 तक रहने खाने की सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें- सुबह 1०बजे से शाम 6बजे तक होटल डाउन टाउन, राजकिशोर नगर बिलासपुर 95163०0022, 9425220555 (41731)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित साड़ी शॉप में काम करने के लिए 6पद हेल्पर (लड़के/लड़की) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- वसंत साड़ी सेंटर सदर बाजार बिलासपुर 9755498703, 7987065573 (4173०)

आवश्यकता है- मिलक पार्लर में दो डिलीवरी बॉय की आवश्यकता है (जिन्हें गाड़ी चलानी आती हो) सम्पर्क करें- नेचर केयर, आर्यन पब्लिक स्कूल के सामने शक्ति चौक, राजकिशोर नगर बिलासपुर 7999232712 (41741)

आवश्यकता है- जनरल दुकान में कम्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। जिसे बिजी साप्लेव्हर की पूरी जानकारी हो। वही दुकान आधार मिलें लड़का/ लड़की पता- सुनील प्लारिटिक अजीत होटल के सामने तेलीपारा बिलासपुर (4174०)

आवश्यकता है- सीए ऑफिस में चपरासी (प्यून) की आवश्यकता है योग्यता 1०वीं/ 12वीं पता- काशी कॉम्प्लेक्स लिंक रोड बिलासपुर सम्पर्क 93०0492291 (41737)

खुली जेल किसके...

इन जेलों में कौन-से कैदी रह सकेंगे, किस तरह के अपराधियों के लिए यहां एंट्री नहीं हो पाएगी। इस संबंध में नियम बनाए गए हैं।

चित्रकूट में जल...

रेस्क्यू में जुटी हैं। मध्य प्रदेश के सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्रकूट के जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के मुताबिक, नदी का जलस्तर 134.02 सेंटीमीटर पहुंच गया है, जबकि 2003 में 134 सेंटीमीटर का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। रामघाट में दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों में पानी भर गया है. मंदिरों और मठों में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है। कई जगहों पर लोगों को निकालने के लिए सड़कों पर नावों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कुछ लोग घरों और इमारतों की छतों पर शरण लेने को मजबूर हैं। रामघाट से हनुमानधारा के बीच का रास्ता भी बाढ़ से प्रभावित हुआ है। तेज बहाव के कारण एक पुल बह जाने की जानकारी सामने आई है। चित्रकूट के तारोहा, गोंबरिया और बहादुर समेत कई गांवों में भी पानी भर गया है। प्रशासन ने रात से ही बाढ़ की चेतावनी जारी कर लोगों से घाटों और दूसरे संवेदनशील इलाकों से दूर रहने की अपील की। बाढ़ प्रभावित इलाकों में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पीएसी के जवानों को तैनात किया गया है। चार एनडीआरएफ, चार एसडीआरएफ और दो पीएसी टीमें राहत और बचाव कार्य में लगी हैं। अतिरिक्त टीमों को भी बुलाया गया है।

ट्रेनें प्रभावित, उफान पर नदी नाले-

मध्य प्रदेश के चितहरा रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर कई फीट पानी भर गया है। जलभराव के कारण 24 यात्री ट्रेनें और 20 मालगाड़ियां प्रभावित हुई हैं। बिहार के पटना में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। दीघा घाट पर गंगा, आधा किलोमीटर नजदीक आ गई है। यूपी के उन्नाव में गंगा का जलस्तर बढ़ने से पानी शहर के कई इलाकों में पहुंच गया है। सड़कों पर नावें चल रही हैं। उत्तराखंड नैनीताल के रामनगर में टेढ़ा रोड-पाटकोट मार्ग पर नाला अचानक उफान पर आ गया।

इन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट-

मौसम विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

बुजुर्ग ने रोका...

पहुंचकर बाढ़ से हुए नुकसान को देखा। दरअसल, लगातार बारिश के बाद सेमरावल और मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से चित्रकूट के कई इलाकों में पानी भर गया। नदी का पानी घरों और दुकानों तक पहुंच गया, जिससे लोगों का घरेलू सामान खराब हो गया। रविवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव खुद हालात देखने चित्रकूट पहुंचे और प्रभावित इलाकों में पैदल घूमकर लोगों से बातचत की।

छत्तीसगढ़ में टूट...

बरसात के कारण अधिकतम तापमान भी सामान्य से 6 डिग्री नीचे रहा।

रेड अलर्ट के अलावा सोमवार को रायपुर, जशपुर, बलरामपुर, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, गरियाबंद, दुर्ग और बेमेतरा जिले में भारी बारिश का आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार को मध्य तथा उत्तरी हिस्से के जिलों में आरेंज और यलो अलर्ट है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक एक चिन्हित निम्नदाब का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम बंगाल के खाड़ी और उससे लगे पश्चिम बंगाल-उत्तर उड़ीसा तट के ऊपर ऊपरी हवा के चक्रीय चक्रवाती घेरा के साथ विस्तारित है। यह उत्तर उड़ीसा गंगेटिक पश्चिम बंगाल की तरफ लगातार आगे बढ़ रहा है। इस सिस्टम के असर से राज्य के मध्य तथा उत्तरी इलाके में मानसून की सक्रियता अगले चार दिन तक बने रहने के आसार हैं। पिछले चौबीस घंटे से राज्य के मौसम में बदलाव नजर आ रहा है और वर्षा के दायरे और तीव्रता में भी बढ़ोतरी हुई है। राजधानी में शनि-रविवार की दरमियानी रात से रिमझिम बारिश का दौर जारी है और कई बार रक-रुककर तेज वर्षा भी हो रही है।

इन इलाकों...

में ९-११, जनकपुर भरतपुर, अंबिकापुर, भैसमा में 7-7, बलरामपुर में 6, करताल, कोटाडोल, सामरी, दरभा, गुंडरदेही, अर्जुदा, बालोद, गुरुर, धमतरी में 5-5 सहित अनेक इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई है।

पीएम मोदी को...

को समर्पित करता हूं।" मोदी ने अपने संबोधन में कहा, उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भारत के लोग इस सम्मान के नाम में प्रयुक्त शब्द 'देस्तलिक' से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने कहा, भारत में शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा, जहां 'देस्तलिक' शब्द दिन में सौ बार न बोला जाता हो। आज आपने वास्तव में इस शब्द के सार को सामने ला दिया है। 'देस्तलिक' का अर्थ मित्रता है। यह शब्द अपने नाम में भारत और उज्बेकिस्तान के संबंधों के केंद्र में मौजूद भावना को खूबसूरती से व्यक्त करता है।

रेलवे ढूंढ रहा...

इस योजना से खाली लौटने वाली मालगाड़ियों की क्षमता का बेहतर इस्तेमाल होगा। वहीं व्यापारियों और उद्योगों को कम लागत में अपने उत्पाद एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। इससे रेलवे को भी अतिरिक्त माल यातायात मिलने की उम्मीद है। बता दें कि बड़ी संख्या में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में माल ढुलाई के बाद मालगाड़ियां खाली आती थीं, जिनकी संख्या में 100 से अधिक बताई जा रही हैं। अब नए फैसले से राजस्व में इजाफा होगा।

मलबे में दबी...

बहाव बाधित होने के कारण झील में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अगर झील का प्राकृतिक बांध टूटता है तो तेज रफ्तार से पानी नीचे की ओर आने का खतरा है। संभावित खतरे को देखते हुए चीन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट किया है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और ड्रोन तथा सैटेलाइट के जरिए इलाके की निगरानी की जा रही है।

2.63 लाख ने...

आयोजित की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि एनबीईएमएस ने परीक्षा केंद्रों पर जरूरी आधारभूत अवसंरचना सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार तकनीकी साझेदार एएजेंसी के खिलाफ आगे की कार्रवाई तय करने के लिए एक तत्काल बैठक बुलाई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि जयपुर के सीतापुरा में मौजूद दो आईओएन डिजिटल जोन सेंटर पर परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी और तकनीकी साझेदार टीसीएस लिमिटेड की वजह से बिजली आपूर्ति में आई अंदरूनी समस्या के कारण 2,445 अर्थर्थियों की परीक्षा पूरी नहीं हो सकी। बयान के मुताबिक

प्रभावित केंद्र आईओएन डिजिटल जोन आईडीजेड सीतापुरा (परीक्षा केंद्र संख्या 41682 और 41683) हैं। बोर्ड ने कहा कि दोबारा परीक्षा की जगह और बदले हुए प्रवेश पत्र समेत संबंधित जानकारी अलग से दी जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि नीट-पीजी परीक्षा 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 339 शहरों में 1,111 परीक्षा केंद्रों पर 2,73,0१6 उम्मीदवारों के लिए आयोजित की जानी थी। बयान के मुताबिक नीट-पीजी में कुल 2,65,१80 उम्मीदवार शामिल हुए और लगभग 2,63,535 उम्मीदवारों ने सफलतापूर्वक परीक्षा दी।

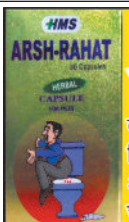
सीसीटीवी से हुई निगरानी-

परीक्षा केंद्रों की भी सीसीटीवी की मदद से वास्तविक समय में निगरानी की गई। एनबीईएमएस कमान केंद्र के द्वारका स्थित मुख्यालय से लगातार नजर रखी जा रही थी। एनबीईएमएस और टीसीएस के 1१0 कर्मियों की एक समर्पित टीम को सीसीटीवी से प्राप्त फुटेज की निगरानी और देखरेख के लिए तैनात किया गया था। परीक्षा की सुरक्षा को और मजबूत करने और किसी और के परीक्षा देने को रोकने के उपायों के तहत, परीक्षा केंद्रों पर उम्मीदवारों का आधार-आधारित सत्यापन सफलतापूर्वक किया गया। एनबीईएमएस ने प्रभावित अर्थर्थियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए कहा कि उसने यह सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाए हैं कि उन्हें नीट-पीजी 2026 में शामिल होने का निष्पक्ष और समान अवसर मिले।

बड़ी डील, उज्बेकिस्तान...

डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया। दोनों पक्षों ने असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग के अनुरूप, उज्बेकिस्तान से भारत को यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक व्यवस्था बनाने पर भी सहमति जताई। वातां के दौरान व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे, महत्वपूर्ण खनिजों, खनन, रक्षा और सुरक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, यूपीआई समेत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में कहा कि दोनों पक्षों ने 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। दोनों देशों के बीच वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार का कुल मूल्य एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया, जो भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सहयोग के विस्तृत दायरे को दर्शाता है। दोनों नेताओं की मौजूदगी में खनन, संस्कृति, शिक्षा, पर्यटन और आयुर्वेद समेत कई अन्य क्षेत्रों से जुड़े समझौतों का आदान-प्रदान हुआ। मोदी ने कहा, उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में स्थित है और इस क्षेत्र में भारत की भागीदारी के केंद्र में भी है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत-उज्बेकिस्तान की मजबूत साझेदारी मध्य एशिया में शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए एक मजबूत आधार साबित होगी। दोनों पक्षों के बीच भविष्य में सहयोग के महत्वाकांक्षी एजेंडे पर विस्तार से चर्चा करते हुए मोदी ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान अपने रक्षा उद्योगों को सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और संयुक्त उत्पादन की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उज्बेकिस्तान में बौद्ध स्थलों फयाज तेपा और कारा तेपा के पुनरुद्धार और संरक्षण के लिए एक आशय पत्र पर भी सहमति बनी। मोदी उज्बेकिस्तान के साथ स्वच्छ ऊर्जा समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से दो दिवसीय यात्रा पर शनिवार को ताशकंद पहुंचे थे। **यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति -** प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश यूरेनियम की आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक व्यवस्था बनाएंगे। इसके साथ ही भारत और उज्बेकिस्तान के बीच तीन सिस्टर-सिटी और



आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा

अर्श-राहत

बवासीर की समस्या समस्यआओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है । आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें



सिस्टर-स्टेट व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इन व्यवस्थाओं की क्षमता का पूरी तरह इस्तेमाल करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान में चल रहे ‘न्यू ताशकंद’ जैसे मेगा प्रोजेक्ट का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में गुजरात में गिफ्ट सिटी विकसित की गई है।

नीट यूजी में...

अंक हासिल की, उसका पर्संटाइल १1.03292१2 और ऑल इंडिया रैंक 1,78,177 था। उसके पास 3 अगस्त 2026 को जारी वैध ईडब्ल्यूएस आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र भी था। याचिका में छात्रा ने बताया कि नीट यूजी परीक्षा के आवेदन के दौरान उसने गलती से सामान्य वर्ग का विकल्प चुन लिया था। बाद में छत्तीसगढ़ की राज्य स्तरीय मेडिकल काउंसिलिंग में ईडब्ल्यूएस का लाभ लेने के लिए उसने आवेदन किया। लेकिन 7 अगस्त 2026 के नोटिस की धारा 3 के कारण पोर्टल पर श्रेणी बदलने का विकल्प उपलब्ध नहीं था। छात्रा ने तर्क दिया कि छत्तीसगढ़ मेडिकल डेंटल एवं फिजियोथेरेपी स्नातक प्रवेश नियम 2025 के नियम 7 आई, में राज्य काउंसिलिंग के दौरान श्रेणी संबंधी जानकारी दर्ज करने का प्रावधान है। उसने इसे आधार बनाते हुए सामान्य से ईडब्लूएस श्रेणी में बदलाव की अनुमति मांगी थी। कोर्ट ने 7 अगस्त 2026 के नोटिस की धारा 3 का परीक्षण करते हुए कहा कि दोनों में कोई विरोधाभास नहीं है। नियम में स्पष्ट है कि आनलाइन आवेदन के समय दर्ज की गई श्रेणी और अन्य जानकारी अपरिवर्तनीय होगी। इसके साथ ही उम्मीदवार को श्रेणी चुनने से पहले संबंधित प्रमाण पत्र की जांच करने की जिम्मेदारी दी गई है। कोर्ट ने कहा कि अपरिवर्तनीय का अर्थ यह नहीं लगाया जा सकता कि नीट का परिणाम, अंक, पर्संटाइल और रैंक सामने आने के बाद उम्मीदवार अपनी श्रेणी बदल सकें। राज्य काउंसिलिंग में निश्चितता और समान प्रक्रिया बनाए रखना जरूरी है। हाईकोर्ट ने माना कि छात्रा के पास वैध ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र है। इससे उसकी वास्तविक पात्रता साबित हो सकती है। लेकिन इससे उसे निर्धारित प्रक्रिया को नजरअंदाज कर काउंसिलिंग के दौरान श्रेणी बदलने का अधिकार नहीं मिल जाता।

सब कुछ हासिल...

इच्छा से विराम देते हुए आईएएस से त्यागपत्र दे दिया है। हालांकि, उन्होंने इस्तीफा देने के फैसले के पीछे कोई कारण नहीं बताया। प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अपने सफ़र को याद करते हुए मित्तल ने कहा कि वह एक साधारण माहौल में पली-बढ़ी हैं और एक अच्छा तथा सफल जीवन जीने का सपना देखती थीं। उन्होंने आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बंगलुरु से पढ़ाई करने के बाद लंदन में नौकरी की, लेकिन आखिरकार भारत लौट आईं। उन्होंने लिखा, सब कुछ हासिल करने के बाद भी कुछ अधूरापन महसूस होता था। अपने देश में न होना क्लेशता था। उन्होंने कहा कि उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास, दुनिया में कहीं भी सिर उठाकर चलने की ताकत, सब इस मिट्टी का कर्ज था, जो उन्हें चुकाना था। मित्तल ने कहा, मैं वापस लौटी और सौभाग्य से आईएएस अधिकारी बनी। अपनी तैनाती के अनुभवों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि देवरिया ने सिखाया कि सही के साथ खड़ा होना विकल्प नहीं, कर्तव्य है, मिर्ज़ापुर ने सिखाया कि ‘असंभव’ कोई तथ्य नहीं, बस एक राय है। उन्होंने कहा, ‘और मां विंध्यवासिनी के चरणों में बैठकर सीखा कि शक्ति किसी पद से नहीं, उनकी कृपा और लोगों के विश्वास से आती है। मित्तल ने कहा कि अपनी सेवा के दौरान जरूरतमंद परिवारों, दिव्यांगों और किसानों के लिए काम करते हुए उन्हें एहसास हुआ कि हर सरकारी फ़ाइल के पीछे एक इंसान होता है।



आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact For Advertisement Booking

Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur

Mo.- 9826782100

किराया

किराया- आराध्या अपार्टमेन्ट्स हर्ष फिनिस सिटी बिजौर में 2BHK एवं 3BHK फ्लैट किराए से देना है। सम्पर्क करें- 8982०02126 (41727)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र मे प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध मे किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी दावे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध मे किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध मे उड़ाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।



छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।



18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंगको 8-9 इंच बढ़ावा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं बरों की कमजोरी नाामदी धातु का पचलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नहीं तो पैसे वापिस।

09083218330

मेजर लीग सॉकर : मेस्सी ने दागे चार गोल



एजेंसी ►► मियामी

दिवंगज लियोनेल मेस्सी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में पहली बार एक मैच में चार गोल दागे, जिससे इंटर मियामी ने सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1

से करारी शिकस्त दी। मेस्सी ने इस दौरान दूसरे हाफ में तीन गोल किए और एक गोल में मदद की। इंटर मियामी ने 20वें मिनट में तेलास्को सेगोविया के कॉर्नर पर कार्लोस कासेमिरो के हेडर की मदद से बढ़त बनाई लेकिन मॉन्ट्रियल ने 37वें मिनट में फैबियन हर्बर्स के गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने अपना कमाल दिखाना शुरू किया। उन्होंने 40वें मिनट में फ्री-किक पर गोल करके इंटर मियामी को 2-1 से आगे कर दिया। यह मौजूदा सत्र में उनका 15वां गोल था।

प्रीमियर लीग: लिवरपूल-नॉटिंघम फॉरेस्ट ने खेला ड्रा



एजेंसी ►► लंदन

टॉटनहम हॉटस्पर का करीब 400 मिलियन डॉलर खर्च करने के बावजूद इंग्लिश प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन जारी है, जहां टीम को घरेलू मैदान पर

न्यूकैसल के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। टॉटनहम की यह लगातार दूसरी हार है और इन दोनों मैचों में टीम एक भी गोल नहीं कर सकी है। न्यूकैसल ने दूसरे हाफ में दोनों गोल दागकर मुकाबला अपने नाम किया। एंथनी एल्गाना ने 62वें मिनट में मैच का पहला गोल किए। इसके 10 मिनट बाद योआने विसा ने न्यूकैसल की बढ़त 2-0 कर दी। टॉटनहम के कई नए खिलाड़ी मैदान पर उतरे, लेकिन वे टीम को गोल दिलाने में नाकाम रहे। लिवरपूल ने आखिरी समय में गोल के बूते एनफोल्ड में नॉटिंघम फॉरेस्ट को 2-2 से बराबरी पर रोका।

ला लीगा: एटलेटिको मैड्रिड ने सेविला को हराया



एजेंसी ►► मिलांन

एटलेटिको मैड्रिड ने मैदान के बाहर चल रहे विवादों को पीछे छोड़ते हुए ला लीगा (स्पेन की शीर्ष फुटबॉल लीग) में सेविला को 3-1 से हराया। जूलियन

अल्चारेज को टीम में शामिल नहीं किया गया, लेकिन एलेक्स बास्का के दो और एडेमोला लुकुसेन के एक गोल की मदद से एटलेटिको ने पहले हाफ में ही 3-0 की बढ़त बना ली। यह सेविला की सत्र की पहली हार है। जर्मनी में पहली बार बुंडेसलीगा खेल रहे एलक्सर्बर्ग ने शानदार शुरुआत करते हुए 2024 के चैंपियन बायर लीवरकुसेन को 3-2 से हरा दिया। लुकास पेटकोव और अमेरिका के फॉरवर्ड कोल कैपबेल ने नौ मिनट के अंदर गोल कर मेजबान टीम को बढ़त दिलाई।

खबर संक्षेप

सिपुत्रा गोल्फप्रेन्योर टूर्नामेंट : संयुक्त 19वें स्थान पर गिल



जकार्ता। भारतीय गोल्फर पुरुषराज सिंह गिल ने ‘एशियन डेवलपमेंट टूर (एडीटी)’ के ‘सिपुत्रा गोल्फप्रेन्योर टूर्नामेंट’ में संयुक्त 19वें स्थान पर रहते हुए 2027 के एशियाई टूर कार्ड हासिल करने की अपनी उम्मीद मजबूत कर ली है। आईजीपीएल (ईडियन गोल्फ प्रीमियर लीग) टूर के ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेता गिल अब एडीटी ‘ऑर्डर ऑफ मेरिट’ (सत्र की समग्र तालिका) में नौवें स्थान पर हैं। सत्र में अब केवल एक टूर्नामेंट बाकी है और शीर्ष 10 खिलाड़ियों को अगले साल के एशियाई टूर के कार्ड मिलेंगे। गिल ने चौथे दौर में 69 का कार्ड खेला किया और कुल 15 अंडर पार के स्कोर के साथ टूर्नामेंट खत्म किया। उन्होंने इससे पहले तीन दौर में 70, 66 और 68 का स्कोर किया था।

आयरिश ओपन : 15वें स्थान पर खिसकी प्रणवी



किल्डारे। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स आयरिश ओपन के तीसरे दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलने के बावजूद संयुक्त 15वें स्थान पर खिसक गईं। मैसूर की इस खिलाड़ी ने अब तक तीनों दौर में पार से कम का स्कोर बनाया है। उनका कुल स्कोर सात अंडर है और एक दौर का खेल बाकी है। प्रणवी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली चार भारतीय खिलाड़ियों में कट में जगह बनाने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने दूसरे और तीसरे होल में लगातार बर्डी के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगले दो होल में दोनों शॉट गंवा दिए। इसके बाद उन्होंने सातवें और 10वें होल में बर्डी लगाई और आखिरी आठ होल में लगातार पार स्कोर करते हुए अपना दौर 70 पर समाप्त किया। इससे पहले दीक्षा डागर, त्वेसा मलिक और अर्पिता प्रशांत कट में जगह बनाने में नाकाम रही थीं।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल: पहले दिन गिरे 12 विकेट रोमांचक हुआ साउथ-नॉर्थ जोन का मुकाबला



एजेंसी ►► बेंगलुरु

साउथ जोन और नॉर्थ जोन के बीच बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 में जारी दलीप ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल-2 पहले ही दिन काफी रोमांचक बन गया है। नॉर्थ जोन को सिर्फ 195 के स्कोर पर समेटने के बाद साउथ जोन ने स्टैप्स तक 2 विकेट खोकर सिर्फ 40 रन बनाए हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ जोन पहली पारी में सिर्फ 195 रन पर सिमट गई। सनथ सांगवान ने कामरान इक़बाल के साथ पहले विकेट के लिए सिर्फ 18 रन जुटाए। सनथ 10 रन बनाकर आउट हुए। पहले दिन मैच में दोनों टीमों के 12 विकेट गिरे।

कामरान ने खेली 76 रन की पारी

इसके बाद कामरान ने आयुष बोरेजा के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 गेंदों में 53 रन जोड़े। आयुष 5 चौकों के साथ 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। टीम को 71 के स्कोर पर दूसरा इक़त का लगा, जिसके बाद 95 रन तक 4 विकेट गिर गए। हालांकि, कामरान ने खूंट जमाए रखा। कामरान ने कप्तान कन्हैया वधावन के साथ पांचवें विकेट के लिए 66 रन जोड़कर टीम को संकट से निकालने की कोशिश की। बतौर सलामी बल्लेबाज मैदान पर उतरे कामरान ने 10 चौकों और 1 छक्के के साथ 76 रन की पारी खेली, जबकि अब्दुल समद ने 16 रन और कन्हैया ने 35 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से विद्वथ कावेरप्पा ने 66 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि एमडी निशीथ और तनय त्यागराजन ने 2-2 विकेट हासिल किए।

266 रनों पर सिमटी सेंट्रल जोन की पहली पारी

दलीप ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल मुकाबला सेंट्रल जोन और ईस्ट जोन के बीच में बीसीसीआई सेंट्रल ऑफ एक्सीलेंस के मैदान पर खेला जा रहा है। पहली पारी में सेंट्रल जोन की पूरी टीम 266 रन बनाकर ऑलआउट हुई। सेमीफाइनल मुकाबले में टॉस ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने जीता और सेंट्रल जोन को पहले बल्लेबाजी करने का व्योता दिया। सेंट्रल जोन की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अनमोल मोखड़े सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कुमाल चंदेला भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 6 रन बनाकर पवेलियन लौटे।



रिंकु ने खेली अर्धशतकीय पारी

हर्ष 38 गेंदों में 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, रिंकु ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। रिंकु ने 88 गेंदों का सामना करते हुए 60 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। भारतीय टीम की ओर से हाल ही में अपना टेस्ट डेब्यू करने सारांश जैन सिर्फ 13 रन ही बना पाए। आर्यन पांडे ने 22 रन बनाए, जबकि यश ठाकुर 26 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 30 रन बनाकर नाबाद रहे। ईस्ट जोन की ओर से गेंदबाजी में मुकेश कुमार और अमिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट चटकाए। वहीं, मोहम्मद शमी ने 2 विकेट निकाले।

वैभव को बीच मैच में मिली कप्तानी

पहली बार है जब वैभव सूर्यवंशी किसी सीनियर मैन क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे हैं। 15 साल के वैभव अपने करियर का सिर्फ दूसरा दलीप ट्रॉफी मैच और कुल 10वां फर्स्ट-क्लास मैच है। ईशान किशन को 19वें ओवर में चोट लगी। ईशान इस मैच में विकेटकीपिंग कर रहे थे, तभी गेंद उनकी दाहिनी कलाई पर लग गई। जिसके बाद कुमार कुशाव ने विकेटकीपिंग संभाली। ईशान के बाहर जाते ही 19वें ओवर में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन की कमान संभाली और मैच में कप्तानी करने लगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए रबाडा

एजेंसी ►► जोहान्सबर्ग

साउथ अफ्रीका के स्टार तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी दाहिनी हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट (ग्रेड-3 टियर) लगी है। 31 वर्षीय रबाडा को अब करीब दो महीने तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ सकता है। इस चोट की वजह से उनका फिटनेस और ट्रेनिंग कार्यक्रम भी प्रभावित हुआ है, जो टीम के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। रबाडा की घरेलू टीम ‘लार्यस’ के गेंदबाजी कोच साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड ने कहा कि मेडिकल जांच के बाद उन्हें इस हाई-प्रोफाइल सीरीज से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। पहले उम्मीद थी कि वह 10 सितंबर से बोर्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले शुरुआती चार-दिवसीय घरेलू मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

दो महीने तक क्रिकेट से दूर रहेंगे कगिसो



24 सितंबर को वनडे सीरीज

टेस्ट मैचों से पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी, जिसकी शुरुआत 24 सितंबर को डरबन के किंग्समीड में होगी। हालांकि, रबाडा की अनुपस्थिति से साउथ अफ्रीका के गेंदबाजी अटैक में एक बड़ी कमी आ जाएगी। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 73 टेस्ट मैचों में 340 विकेट लिए हैं और लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर साउथ अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने मैच में 110 रन देकर 9 विकेट चटकाए थे।

लॉर्ड्स टेस्ट: 208 रनों पर सिमटी इंग्लैंड की दूसरी पारी

एजेंसी ►► लंदन

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच दूसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जा रहा है। मुकाबले के चौथे दिन इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में 208 रन बनाकर ऑलआउट हुई। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा है।

इंग्लैंड के लिए चौथे दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 177/7 के स्कोर में सिर्फ 9 रन जोड़ने के बाद डेन लॉरेंस को मोहम्मद अब्बास ने क्लीन बोल्ट करके हुए पवेलियन भेजा। लॉरेंस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 70 गेंदों में 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 54 रन बनाए।

पाक के सामने 389 रनों का लक्ष्य



रॉबिन्सन नहीं दिखा सके खास कमाल

ओली रॉबिन्सन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 8 रन बनाकर आउट हुए। जोश टंग इंग्लैंड की ओर से दूसरी पारी में आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। वह 12 रन बनाकर रनआउट हुए। इंग्लैंड की तरफ से लॉरेंस की अर्धशतकीय पारी के अलावा, हैरी ब्रूक ने 34 रनों का योगदान दिया है, जबकि एमिलियो ने 31 रनों का योगदान दिया। जो स्ट ने 24 रन बनाए।

‘हॉल ऑफ फेम’ में शामिल फेडरर, भाषण के दौरान हुए भावुक



एजेंसी ►► न्यूयॉर्क

महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर इंटरनेशनल टेनिस ‘हॉल ऑफ फेम’ में शामिल किए जाने के दौरान भावुक हो गए। बीस ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले फेडरर अपने करीब 30 मिनट के भाषण के दौरान कई बार रो पड़े।

पत्नी मिर्का का जिक्र करते हुए तो उनके आंसू धमने का नाम ही नहीं ले रहे थे। मिर्का के स्वागत-परिचय भाषण के बाद फेडरर को मंच पर बुलाया गया। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि उन्हें इस समय रूमाल और धूप के चरमों की जरूरत है, लेकिन

आंसूओं को रोकना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। पैतालिस् वर्षीय फेडरर ने मंच पर आते ही कहा, ‘यह बहुत ऊंचे स्तर का है और इसके बाद बोलना आसान नहीं होगा।’ इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में पत्नी मिर्का से कहा, ‘पता नहीं, आपने चुपके से इसकी तैयारी तो नहीं की थी?’

खेल की समृद्ध विरासत का हिस्सा

फेडरर ने कहा, टेनिस के इतिहास में खुद को इस स्थान पर देखना मेरे लिए बेहद खास है। इस खेल की समृद्ध विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

लगातार 237 सप्ताह तक रहे नंबर एक खिलाड़ी

फेडरर ने इस दौरान अपने बचपन के आदर्श स्टीफन एडबर्ग और लंबे समय तक उनके कोच रहे सेवेरिन लुथी की याद किया। ‘स्विस मेस्ट्री’ के नाम से मशहूर फेडरर ने अपने शानदार करियर में आठ विंबलडन, छह ऑस्ट्रेलियन ओपन और एक फ्रेंच ओपन खिताब जीता। वह लगातार 237 सप्ताह तक एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी रहे। वह करियर वौड स्लैम पूरा करने वाले केवल आठ पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2004 से 2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन खिताब जीते और 10 लगातार वौड स्लैम फाइनल में पहुंचे, जिनमें से आठ में उन्होंने जीत हासिल की। फेडरर ‘हॉल ऑफ फेम’ में शामिल होने वाले 272वें सदस्य बने।

यूएस ओपन : नाओने के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे जोकोविच

रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम पर 39 वर्षीय जोकोविच की नजर

एजेंसी ►► न्यूयॉर्क

नोवाक जोकोविच को किसी टूर्नामेंट में जल्दी बाहर होना भले ही पसंद नहीं हो, लेकिन इस बार वह सिनसिनाटी ओपन में शुरुआती हार को सकारात्मक रूप में देख रहे हैं। इस 39 वर्षीय दिग्गज ने कहा कि सिनसिनाटी में पहले ही दौर में बाहर होने से उन्हें यूएस ओपन की तैयारी के लिए करीब दो सप्ताह का अतिरिक्त समय मिला। चौबीस ग्रैंड स्लैम खिताब के रिकॉर्डधारी जोकोविच आर्थर एश स्ट्रेडियम में 48वीं रैंकिंग वाले मारियानो नाओने के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। चौथी वरीयता प्राप्त जोकोविच की नजर रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम और पांचवें यूएस ओपन खिताब पर है।

यूएस ओपन : नाओने के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे जोकोविच

रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम पर 39 वर्षीय जोकोविच की नजर

इस साल 16 टूर्नामेंटों लिया हिस्सा

जोकोविच ने इस साल अब तक केवल 16 टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया है, जो एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 95 खिलाड़ियों में सबसे कम है। वह विंबलडन के सेमीफाइनल तक पहुंचे, जहां उन्हें यानिक सिनर से हार मिली। फ्रेंच ओपन में वह चौथे दौर में बाहर हुए, जबकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्काराज के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सिनसिनाटी ओपन में हार से पहले उन्होंने विंबलडन के बाद कोई मुकाबला नहीं खेला था।



मेरे लिए शुरुआती मुकाबले चुनौती - पूर्ण : नोवाक

जोकोविच ने हालांकि नाओने को हलकें में लेने से इनकार किया। जोकोविच ने कहा, ‘देखते हैं मुकाबला कैसा रहता है। पिछले कुछ वर्षों में मेरे लिए शुरुआती मुकाबले काफी चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उम्मीद है कि मैं पहली बाधा पार कर आगे लय हासिल कर सकूंगा।’

20वीं बार यूएस ओपन में ले रहे हिस्सा

जोकोविच 20वीं बार यूएस ओपन में हिस्सा ले रहे हैं। वह इसके साथ ही पुरुष एकल में इस उपलब्धि को हासिल करने वाले जिमी कॉनर्स, आंद्रे अगassi और फेलिसियानो लोपेज की सूची में शामिल हो जाएंगे। जोकोविच ने कहा कि लंबे समय तक खेलना उनके करियर के शुरुआती दौर से ही लक्ष्य रहा है। 2005 में पदार्पण के बाद वह सिर्फ 2017 में यूएस ओपन में नहीं खेल पाए थे, जब कोहली की चोट के कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा था। उन्होंने 2011, 2015, 2018 और 2023 में यह खिताब जीता।

सरगुजा की मिट्टी में जन्मी एक कला ने जब गांव की दीवारों से निकलकर दुनिया के कला मंच तक दस्तक दी, तो उसके पीछे थी एक ऐसी कलाकार की साधना, जिसने बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के अपनी कल्पना को पहचान दी। सोना बाई रजवार ने मिट्टी, दीवार और प्रकृति से जुड़ी पारंपरिक भित्ति कला को अपनी विशिष्ट शैली देकर नई ऊंचाई दी। पुहपुटरा के एक छोटे से घर से शुरू हुआ उनका कला-सफर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया तक पहुंचा। उन्होंने विदेशों में अपनी कला का प्रदर्शन करने के साथ विद्यार्थियों को इस विरासत से परिचित कराया और सरगुजा की माटीकला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई।

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा



सोना बाई रजवार

चारदीवारी के भीतर रची अपनी नई दुनिया

कभी-कभी परिस्थितियाँ इंसान के सामने विकल्प सीमित कर देती हैं, लेकिन कुछ लोग उन्हीं सीमाओं के भीतर अपनी अलग दुनिया रच लेते हैं। सरगुजा की भित्तिचित्र कलाकार सोना बाई रजवार ऐसी ही असाधारण प्रतिभा थीं। बिना किसी औपचारिक कला शिक्षा और महंगे रंग-ब्रश के उन्होंने मिट्टी और दीवारों को अपनी कल्पना का कैनवास बनाया। सोना बाई के लिए घर की दीवारें महज दीवारें नहीं थीं। मिट्टी से उभरी आकृतियों में कहीं पशु-पक्षी थे, कहीं मानव आकृतियाँ, कहीं प्रकृति और कहीं ज्योतिषीय संरचनाएँ। उनकी कला को खासियत यह थी कि वे मिट्टी को दीवार से उभारकर त्रि-आयामी प्रभाव पैदा करती थीं।



घर और परिवार के बीच पनपी कला

कम उम्र में उनका विवाह पुहपुटरा गांव के होलीराम रजवार से हुआ। विवाह के बाद घर-परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका काफी समय अकेले बीता था। पति खेती के काम से बाहर रहते और बेटा भी पढ़ाई के लिए बाहर रहने लगा। इसी एकान्त में सोना बाई ने मिट्टी से अपने संवाद की शुरुआत की। बेटे के लिए मिट्टी के खिलौने बनाने से शुरू हुआ सिलसिला धीरे-धीरे दीवारों की कलाकृतियों तक पहुंचा।



छुही मिट्टी से दीवारों पर उकेरी विशिष्ट शैली

रजवार समाज में दीवारों की लिपाई और सजावट की पुरानी परंपरा थी। छुही मिट्टी से दीवारों पर लिपाई, उंगलियों से धारियाँ और मिट्टी-गोबर के गारे से आकृतियाँ बनाना इस परंपरा का हिस्सा था। सोना बाई इस परंपरा में दक्ष थीं, लेकिन उन्होंने यहीं रुकने के बजाय अपनी प्रतिभा और कल्पना से इसे नई दिशा दी। उन्होंने मिट्टी की आकृतियों को दीवार से उभारकर अपनी विशिष्ट शैली विकसित की।

पुहपुटरा से पेरिस तक सोना बाई रजवार



पुहपुटरा की गलियों से सात समुंदर पार पहुंची कला

सरगुजा की मिट्टी में लोककला की एक समृद्ध परंपरा रही है। इसी सांस्कृतिक परिवेश में लगभग 1930 के आसपास गणेशपुर गांव में सोना बाई रजवार का जन्म हुआ। उनका परिवार खेती-किसानी से जुड़ा था। ग्रामीण जीवन की सहजता, प्रकृति के करीब रहना और मिट्टी से रोजमर्रा का रिश्ता उनके बचपन का हिस्सा था।

सोना बाई रजवार समुदाय से थीं। रजवार समाज में घर को साफ-सुथरा रखने और उसकी दीवारों को मिट्टी से सजाने की एक पुरानी परंपरा रही है। गांव के घरों की दीवारों पर छुही मिट्टी, यानी सफेद मिट्टी, से लिपाई की जाती थी। सूती कपड़े के टुकड़े को मिट्टी के घोल में डुबोकर दीवार पर पोछा लगाया जाता और फिर उंगलियों की मदद से दीवारों पर अलग-अलग तरह की धारियाँ



और पैटर्न बनाए जाते थे। कई बार लिपाई से पहले गोबर और मिट्टी के गारे से दीवार पर आकृतियाँ भी उकेरी जाती थीं। यह रजवार समाज की पारंपरिक गृहसजा का हिस्सा था और लगभग हर रजवार लड़की इस कला से परिचित होती थी। यही वह वातावरण था जिसने सोना बाई के भीतर

कला की शुरुआती समझ पैदा की। उनके लिए मिट्टी केवल घर बनाने या दीवार लीपने की सामग्री नहीं थी, बल्कि धीरे-धीरे वह अभिव्यक्ति का माध्यम बनती चली गई। बचपन में उनके आसपास जो कुछ था-मिट्टी, घर-आंगन, पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और गांव का जीवन- आगे चलकर उनकी

कलात्मक दुनिया का हिस्सा बनने लगा। सोना बाई के पास न कोई कला विद्यालय था, न कोई प्रशिक्षित गुरु और न ही आधुनिक कला उपकरण। गांव का जीवन ही उनका पहला विद्यालय बना। रजवार समाज की पारंपरिक भित्ति सजा से उन्हें तकनीक और आधार मिला, लेकिन उस परंपरा को अपनी विशिष्ट शैली में बदलना उनकी अपनी प्रतिभा और कल्पना का परिणाम था। उन्होंने पारंपरिक लिपाई और सजावट से आगे बढ़कर मिट्टी को दीवार पर उभारना शुरू किया और उससे पशु-पक्षियों, मानव आकृतियों, प्रकृति तथा दूसरी कल्पनाशील संरचनाओं को आकार दिया। इस तरह गणेशपुर का ग्रामीण परिवेश, रजवार समाज की परंपरा और मिट्टी से जुड़ा जीवन सोना बाई की कला की शुरुआती जमीन बना।

सिर्फ कलाकर नहीं, एक परंपरा की पहचान

सोना बाई की खासियत केवल उनकी कलाकृतियों की सुंदरता नहीं थी। उन्होंने रजवार समुदाय की पारंपरिक भित्ति कला को अपनी रचनात्मकता से नई पहचान दी। उनकी कला ने यह साबित किया कि प्रतिभा के लिए न बड़े शहर जरूरी हैं, न बड़े संस्थान और न ही महंगे संसाधन।



अपनी अलग शैली विकसित की

1983 के बाद सोना बाई की कला का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण हुआ। उनकी कलाकृतियों की तस्वीरें ली गईं और उनकी कला को व्यापक पहचान मिलने लगी। पुहपुटरा की दीवारों से निकलकर उनकी कला देश के अलग-अलग हिस्सों और फिर अंतरराष्ट्रीय कला जगत तक पहुंची। उनकी कलाकृतियों में प्रकृति, पशु-पक्षी, मानव आकृतियाँ, पेड़-पौधे और ज्योतिषीय संरचनाएँ दिखाई देती थीं। मिट्टी से दीवार पर उभारी गई आकृतियाँ उनकी कला को विशिष्ट बनाती थीं। उनकी कला को केवल परिस्थितियों या अकेलेपन की उपज मानना पर्याप्त नहीं है। वे एक स्वतंत्र रचनाकार थीं, जिन्होंने प्रयोग किए और अपनी अलग शैली विकसित की।

1983 में दुनिया की नजर पड़ी

साल 1983 सोना बाई के जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। लोक और पारंपरिक कलाओं की खोज तथा दस्तावेजीकरण के लिए सरगुजा पहुंची एक टीम को पुहपुटरा गांव के उनके घर की दीवारों पर बनी असाधारण मिट्टी की कला के बारे में जानकारी मिली। कला शोधकर्ता मुश्ताक खान के नेतृत्व में टीम उनके घर पहुंची। वहां बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के एक ग्रामीण महिला द्वारा बनाई गई जटिल और कल्पनाशील कलाकृतियों ने सभी का ध्यान खींचा।

सम्मान से बढ़ा कद

- 1983 तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जेल सिंह के हाथों राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित।
- 1986 मध्य प्रदेश सरकार ने तुलसी सम्मान से सम्मानित किया।
- 1986 अमेरिका के सैन डिपगो के मिन्गोई इंटरनेशनल स्प्रुजियम में 42 दिनों की कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया गया। वहां उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन किया और छात्रों को इस कला के बारे में प्रशिक्षण दिया।
- 1998 ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में कार्यशाला लेकर छात्रों को इस कला की जानकारी दी।
- 2002 तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा उन्हें शिल्प गुरु के खिताब से नवाजा गया।
- 2004 छत्तीसगढ़ सरकार ने उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य सम्मान से सम्मानित किया।



पुहपुटरा में विरासत को सहेजने की कोशिश

सोना बाई की स्मृति में पुहपुटरा में संग्रहालय की स्थापना का प्रयास किया गया, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ सिर्फ उनका नाम न सुनें, बल्कि उनकी कला को करीब से देख और समझ सकें।

उनकी उपलब्धियों पर पूरे समाज और प्रदेश के कलाकारों को गर्व

सोना बाई बिल्कुल भी पढ़ी लिखी नहीं थीं लेकिन अपने कला और हुनर के बल पर देश विदेश में नाम कमाया और समाज का गौरव बनी। उनकी उपलब्धियों पर पूरे समाज और प्रदेश के कलाकारों को गर्व है।
-पंडितराम रजवार, वरिष्ठ मुद्राशिल्पी

अपनी कला से बनाई पहचान

सोना बाई हमारे समाज की महिला थीं, निरक्षर होने के बावजूद सोना बाई ने अपनी कला को अपनी पहचान बनाया और देश विदेश में इसके बूते सफलता के झंडे गाड़े...हमारा रजवार समाज उनकी उपलब्धियों से गौरवान्वित महसूस करता है। समाज भी अपने स्तर पर रजवार शैली को संरक्षित करने के लिए प्रयास उठाते आया है
-शिवनारायण राम रजवाड़े जिला अध्यक्ष, रजवार समाज, अंबिकापुर

inh सोमवार रात 7.55 बजे

प्रतिभा से देश-विदेश में बनाई पहचान



सोना बाई भित्तिचित्र कला की बहुत बड़ी कलाकार थीं। उन्होंने अपनी अनूठी कला और प्रतिभा से देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी पहचान बनाई। अमेरिका में भी उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन किया और लोगों को भित्तिचित्र बनाने की कला सिखाई।
-राजेश अग्रवाल पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री (छग.)

मेरी माता के हाथों में बसा था हुनर



मेरी मां पढ़ी-लिखी नहीं थीं, लेकिन उनके अंदर कला का अथाह भंडार था। उनके हाथों में जैसे हुनर बसता था। उन्हें भित्तिचित्र बनाने और रंगों के साथ खुबसूरत प्रयोग करने की अद्भुत कला थी। मुझे भी उनके साथ विदेश यात्राओं पर जाने का अवसर मिला। उनके साथ रहते हुए मैंने करीब से उनकी कला को देखा।
-दरोगा राम राजवाड़े, सोनाबाई के पुत्र

बिना किसी प्रशिक्षण के अद्भुत कलाकारी ने सबको चौंकाया



साल 1983 में लोक और पारंपरिक कलाओं की खोज कर रही टीम सरगुजा पहुंची। मुश्ताक खान के नेतृत्व में टीम ने पुहपुटरा गांव में सोना बाई की अनेकों मिट्टी और भित्तिचित्र कला देखी। बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के उनकी अद्भुत कलाकारी ने सबको चौंका दिया। यहीं से उनकी कला का दस्तावेजीकरण शुरू हुआ।
-सुधीर पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार, अंबिकापुर

भित्तिचित्रों में चिड़ियां बनाना बहुत पसंद था



घर में ज्यादातर भित्तिचित्रों में चिड़िया बनाना मुझे बहुत पसंद है। चिड़िया मेरे लिए स्वतंत्रता, प्रकृति और जीवन की सुंदरता का प्रतीक है। अलग-अलग रंगों और आकृतियों के जरिए दीवारों पर चिड़ियों को उकेरना मुझे बहुत अच्छा लगता है। यह कला मुझे परिवार से विरासत में मिली है और इसे आगे बढ़ाना मेरे लिए गर्व की बात है।
-मुनिता देवी, बच्ची

प्रतिभा और मेहनत से पूरे क्षेत्र का नाम किया रोशन



मेरी दादी सास का नाम देश-विदेश में अपनी कला के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत से परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया। उनकी कला को दुनिया भर में पहचान मिलना हम सभी के लिए गर्व की बात है। उनकी विरासत को आगे बढ़ाना हमारे लिए सम्मान और सौभाग्य है।
-मनीषा राजवाड़े, पोता बहू, पुहपुटरा, अंबिकापुर

सरगुजा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिलाई पहचान



सोना बाई ने अपनी अद्भुत भित्तिचित्र कला के माध्यम से सरगुजा को देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उनकी कला की विशिष्ट शैली और रचनात्मकता ने कला जगत में स्थान बनाया। उनकी प्रतिभा और योगदान के लिए उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए।
-मुकेश तिवारी, सामाजिक कार्यकर्ता

उनकी शैली हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा रही



सोना बाई जी की अद्भुत कला ने सरगुजा की लोक परंपरा को एक अलग पहचान दिलाई। दीवारों पर भित्तिचित्र और मिट्टी की कला की उनकी अनूठी शैली रजवार समाज की सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा रही है। आज भी रजवार समाज के कई घरों में भित्तिचित्र कला देखने को मिलती है।
-संतोष दास, साहित्यकार, अंबिकापुर

सहज और मौलिक कला उनकी विशिष्ट पहचान बनी



वे अपने आसपास की प्रकृति, पशु-पक्षियों और रोजमर्रा के जीवन में दिखाई देने वाली चीजों को ध्यान से देखतीं और उन्हें अपनी कल्पनाशील कला के माध्यम से दीवारों और मिट्टी पर उकेरतीं थीं। उनकी यही सहज और मौलिक कला उनकी विशिष्ट पहचान बनी। उनके परिवार की अगली पीढ़ी आगे बढ़ा रही है।
-अर्चना पाठक, लोक संस्कृतिकर्मी, रायपुर

2007 में दुनिया को कहा अलविदा

सोना बाई रजवार एक ऐसी कलाकार थीं जिन्होंने बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के अपनी कल्पना से मिट्टी को कला में बदल दिया। उनकी बनाई भित्ति कला ने रजवार परंपरा को नई पहचान दी, और सरगुजा की इस लोक कला को देश-दुनिया तक पहुंचाया।आज सोना बाई हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी बनाई दीवारें आज भी बोलती हैं। वह बताती हैं कि मिट्टी सिर्फ घर नहीं बनाती। मिट्टी इतिहास भी बनाती है और उस इतिहास में सरगुजा की सोना बाई रजवार का नाम हमेशा जीवित रहेगा। समय बीतता गया। सोना बाई की उम्र बढ़ती गई। लेकिन उनकी कला की पहचान लगातार बढ़ती रही। 2007 में उनका निधन हो गया। एक कलाकार चली गई। लेकिन उनकी बनाई दुनिया पीछे रह गई। उनकी कला-उनकी शैली, उनकी कहानी और सरगुजा की मिट्टी से जुड़ी उनकी पहचान।बाद की पीढ़ियों ने भी इस कला परंपरा को आगे



बढ़ाया।उनकी स्मृति में पुहपुटरा में संग्रहालय की स्थापना का प्रयास किया गया।ताकि आने वाली पीढ़ियाँ सिर्फ सोना बाई का नाम न सुनें...बल्कि उनकी कला को करीब से देख सकें। आज सरगुजा बदल रहा है।गांव बदल रहे हैं। घर बदल रहे हैं, दीवारों पर सीमेंट और पेंट बंद रहा है लेकिन सोना बाई की कला हमें उस समय की याद दिलाती है। जब घर की दीवारें

ही कलाकार का कैनवास हुआ करती थीं।आज जरूरत है। इस कला को सिर्फ संग्रहालय तक सीमित रखने की नहीं। बल्कि नई पीढ़ी तक पहुंचाने की। गांव की महिलाओं को प्रशिक्षण मिले। बच्चों को इस कला से जोड़ा जाए। कलाकारों को बाजार मिले। और सरगुजा की इस पारंपरिक कला को देश-दुनिया में नई पहचान मिले।।सोना बाई की कहानी। एक गांव की कहानी है।और उस मिट्टी की कहानी है। जिसे दुनिया ने कभी सिर्फ मिट्टी समझा।लेकिन सोना बाई ने उसी मिट्टी में जिंदगी देखी। उन्होंने दीवारों को आवाज दी। आकृतियों को कहानी दी। और अपनी कल्पना को पहचान दी।उनका जीवन हमें एक बहुत बड़ी बात सिखाता है कि प्रतिभा हमेशा बड़े शहरों में पैदा नहीं होती।कभी-कभी वह किसी छोटे से गांव की मिट्टी में जन्म लेती है।।किसी कच्चे घर की दीवार पर आकार लेती है।